हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 जुलाई, 1997

खण्ड–1 अंक–14

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 21 जुलाई, 1997

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(14)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(14)11
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(14)25
सचिव द्वारा घोशणा	(14)29

वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(14)30
खेल राज्य मंत्री द्वारा	(14)30
सिगन प्रस्ताव की सूचना/बैठक का सिगन	(14)30
बिजनैस एजवाइजरी कमेटी की पहला रिपोर्ट पे ा करना	(14)31
वाक आउट	(14)37
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(14)38
वर्श 1992–93 की एक्सैस डिमाडज ओवर ग्राटस एंड एप्रोप्रिए ांज प्रस्तुत करना	(14)39
बिल्ज	
(I) दि हरियाणा एंड पजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज हरियाणा अमैडमैट बिल, 1967	(14)39
(II) दिं पजाब एक्साइज हरियाणा सैकिड अमैडमैट बिल, 1997	(14)40
(III) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स अमैडमैट बिल, 1997	(14)42

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 21 जुलाई, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रोफैसर छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री भाोक प्रस्ताव पे ा करेगे।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इस सै ान की पिछली सिटिंग और इन सिटिंग के बीच मे हमारे कुछ साथी इस असार संसार से चले गए है, मै उनके बारे भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हू।

सरदार हरमिन्द्र सिंह, हरियाणा के मंत्री

यह सदन हरियाणा के मंत्री महोदय सरदार हरमिन्द्र सिंह के 13 मई, 1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

सरदार हरमिन्द्र सिंह का जन्म 4 फरवरी, 1936 को हुआ। उनहोने एम0,ए0, एल0एल0बी0 की डिग्री प्राप्त की। वह 1960 मे सयुक्त पजाब के हिसार जिले के सरकारी वकील नियुक्ता किए गए। उन्होने 1964 मे सरकारी सेवा से त्याग पत्र देकर

फतेहबाद मे वकालत भाुरू कर दी। सरदार हरमिन्द्र सिंह ने अपना राजनैतिक जीवन 1968 मे भाुरू किया और वे एक लोकप्रिय नेता व सक्रिय समोदवी थे। वह मई 1996 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए और 14 जनवरी,1997 को मंत्री बने। वह अपने क्षेत्र मे कई समाजिक एवम भौक्षणिक संस्थाओ से जुई रहे। वह बडे ही भाान्त, ि ाश्ट एवम दयालू स्वभाग के व्यक्ति थे।

उनके निधन से राज्य एक कु ाल प्र ाासन और विवेक ाील जन सेवक सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अतर सिंह माडीवाला, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अतर सिंह माढीवाला जी हमारे माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह के पिता जी थे के 13 जुलाई, 1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 16 जनवरी, 1926 को हुआ। उन्होने स्नातक की डिग्री प्राप्त की। व्यवसाय से कृशक श्री अतर सिंह 1952 एवम 1957 मे तकालीन पेपसू विधान सभा के सदस्य चुने गये और वर्श 1952–53 के दौरान मंत्री रहे। वह वर्श 1991 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उनहोने गरीबो के उत्थान मे गहरी रूची ली।

उनके निधन से राज्य एक योग्य प्र ाासक एवम समाज सुधारक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बीजू पटनायक, उडीसा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री तथा भूतपूर्व कैबिनेट मिनिस्टर, भारत सरकार

यह सदन उडीसा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री बीजू पटनायक के 17 अप्रैल, 1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

श्री बीजू पटनायक का जन्म 5 मार्च, 1916 को हुआ। उन्होने अपनी बी0एस0सी0 की ि ाक्षा को बीच मे छोड कर पायलट की ट्रेनिंग ली जो अन्तत उन्हे रायल एयर फोर्स मे भााामिल होने मे सहायक सिद्ध हुई। उन्होने निडरता से भारत छोडो आन्दोलन मे भाग लिया, जिसके दौरान उन्हे जेल जाना पडा। एक कु ाल पायंलय के रूप मे इन्डोनेि ाया के स्वतन्त्रता सेनानियो की सहायता के लिए उनके अदम्य साहस तथा 1948 मे जम्मू क ामीर पर हमले के दौरान निभाई गई उनकी भूमिका युवको के लिए हमे ाा प्रेरणादायक रहेगी। विमाम द्वारा सैनिको को श्रीनगर तक ले जाने वाले वह पहले व्यक्ति थे। यह 1952 से 1973 के दौरान उडीसा विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1985

और 1990 मे पुन उडीसा विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1961 से 1963 और पुन 1990 मे 1995 तक उडीसा के मुख्य मंत्री रहे।

वह 1972 मे राज्य सभा के लिए चुने गए और 1997 से 1979 तथा 1980 से 1984 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1977 से 1980 के दौरान मोरारजी देसाई और चौधरी चरण सिंह के मंत्रिमडल मे केन्द्रीय मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा के विकास के लिए वचनबद्ध, योग्य प्र ाासक, अनुभवी सासद और एक महान दे ाभक्त की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार आत्मा सिंह, पजाब के भूतपूर्व मत्री

यह सदन पजांब के भूतपूर्व मंत्री सरदार आत्मा सिंह के 27 मई, 1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 28 जनवरी, 1912 को हुआ। वे 1952,1957,1969 और 1977 मे पजांब विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1969 और पुन 1977 मे मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य प्र ाासक एवम समाज सुधारक और एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया

है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री लेखा राम ठाकुर, तत्कालीन पैप्सु विधानसभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष

यह सदन तत्कालीन पैप्सु विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष श्री लेखाराम ठाकुर के 3 मई, 1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 10 अक्तूबर, 1926 को हुआ। अपनी ि ाक्षा के बाद वह सेना मे भर्ती हो गए और ''आजाद हिन्द फोज'' से समबद्ध रहे। वह प्रजा मण्डल आन्दोलन के संस्थापको मे से एक थे। वह 1952 मे तत्कालीन पैप्सु विधान सभा के लिए चुने गए और इसके उपाध्यक्ष रहे। वह 1967 और पुन 1972 मे हिमाचल प्रदे ा विधान सभा के लिए चुने गए। वह हिमालचल प्रदे ा विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे और 1977 मे राज्य मंत्री भी रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य प्र ाासक, अनुभवी विधायक और एक प्रख्यात स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री के0एस0 पाठक, सिचाई विभाग, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यअभियन्ता

यह सदन विभाग, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता श्री के0एस0 पाठक के 14 जुलाई ,1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 2 जून, 1919 को हुआ। वह 16 जून, 1942 को सिचाई विभाग मे एस0डी0ओ0 के पद पर नियुक्त किए गए और उन्हे 25 जुलाई, 1969 को मुख्यअभियन्ता के पद पर पदोन्नत किया गया तथा 21 अगस्त, 1974 तक वह इस पद पर रहे। वह अगस्त 1974 से जून 1977 तक वैपको, नई दिल्ली के चेररमेन भी रहे। श्री पाठक एक निपुण एवम विवेक ाील व्यक्ति थे, जिन्होने, सिचाई विभाग मे मुख्यअभियन्ता के रूप मे उठान सिचाई योजनाओ की रूप रेखा तैयार करके दक्षिण हरियाणा के भाुल्क इलाके को हरा भरा बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्य के प्रति समर्पित सेवाओ के लिए उन्हे पदमश्री से अलंकृत किया गया। वर्तमान सरकार मे सिचाई सलाहकार के रूप मे कार्यरत श्री पाठक सिचाई प्रणाली को एक पद नई दि ाा देने मे लगे हुए थे।

उनके निधन से दे ा एक निपुण एवम सत्यनिश्ठ व्यक्ति की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मास्टर हरि सिह, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, मास्टर हरि सिंह के 16 जून ,1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 18 मार्च, 1902 को हुआ। उन्होने अपना जीवन एक अध्यापक के रूप मे भाुरू किया। वह 1937 और पुन 1946 मे पजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह पजांब विधान परिशद के भी दो बार सदस्य रहे। उन्होने स्वतत्रता आन्दोलन के सक्रिय भाग लिया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक और एक महान स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कामरेड बचन सिंह, संयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सयुंक्त पंजाब सभा भूतपूर्व सदस्य, मास्टर कामरेड बचन सिंह के 8 मई ,1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 19 सित्मबर, 1919 को हुआ। उन्होने अपना जीवन एक पांयलट के रूप मे भाुरू किया। वह 1952 मे पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्हे 1972 मे ताम्रपत्र मे विभूशित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री एस0पी0 सिंह, वरिश्ठ पत्रकार एवम दूरद र्ान कार्यक्रमो के प्रख्यात व्यक्तित्व

यह सदन वरिश्ठ पत्रकार एवम दूरद र्ान कार्यक्रमो के प्रख्यात व्यक्तित्व श्री एस0पी0 सिंह के 27 जून,1997 को हुए दुखद निधन पर गहरा

भाोक प्रकट करता हू।

उनका जन्म 3 दिस्मबर, 1948 को हुआ। उन्होने नवभारत टाइम्स के मुम्बई कार्यालय मे नियुक्त होने से पहले एक लैक्चरार के रूप मे अपना जीवन भाुरू कियां। वे भाीघ्र ही माधुरी पत्रिका मे चले गए तत्प चात मार्च 1977 मे धर्मयुग पत्रिका के उप सम्पादक नियुक्त हुए। वे आन्नद बाजार पत्रिका समूह की साप्ताहिक हिन्दी पत्रिका रविवार के सहायता सम्पादक के पद पर रहे और बाद मे इसके सम्पादक बने। वर्श 1985 मे वह 'नवभारत टाइम्स' मे स्थानीय के पद पर वापिस चले गये।

वह 1986 मे 'नवभारत टाइम्स' के कार्यकारी सम्पादक नियुक्त किये गए और उनका स्थानान्तरण मुम्बई मे दिल्ली किया गया। वह जुलाई 1995 मे 'इण्डिका टुडे' के क्षेत्रीय संस्करण के कार्यकारी सम्पादक बने। अपने निधान के समय वे दूरद र्ान के

लोकप्रिय समाचार कार्यक्रम 'आज तक' के कार्यकारी निर्मता थे। इस कार्यक्रम के प्रस्तुत करने की भौली के लिए उन्हे सदैव याद किया जाएगा।

उनके निधन से दे ा एक प्रतिभा ाली पत्रकार, महान लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वचित हो गया है यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन 22 मई, 1997 को मध्यप्रदे ा के जब्बलपुर भाहर मे आये भुकम्प से मरने वाले लोगो के दुखत व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

यह सदन दिवगतो के भाोक सतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन 15 अप्रैल, 1997 मे मक्का के नजदीक मीना मे भीशण आग से मरने वाले श्रद्धालुओ के दुख व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन 6 अप्रैल व 6 जून, 1997 को पठानकोट मे बसो और 8 जुलाई, 1997 को भटिडा के निकट एक यात्री

रेलगाडी मे हुए बम विस्फोट मे मरने वाले लोगो के दुख एवम असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन 13 जून, 1997 को दक्षिणी दिल्ली के 'उपहार' सिनेमा हाल मे भीशण आग और भगदड से मरने वाले लोगो के दुखत व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन 13 जुलाई, 1997 को जिला पानीपत के भालसी गांव के निकट एक ट्रक की हरियाणा परिवहन की खडी बस से टक्कर हो जाने से मरने वाले यात्रियो के दुखत एवम असामयकि निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय नेता द्वारा जो प्रस्ताव प्रस्तुत है मै उसके समर्थन मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। सरदार हरमिन्दर सिंह जी चौधरी बंसी लाल जी के मंत्रिमण्डल के सदस्य थे, बडे नेक इंसान थे।

उनका भारीर पूरा होने से दो दिन पहले भी हम सब उनकी चर्चा कर रहे थे। वे बहुत हिम्मत वाले और बडे साफ दिल के आदमी थे। उनके निधन से बहुत गहरा धक्का लगा है।

इसी तरह चौधरी अतर सिह माढीवाला हमारे भाई नुपिन्द्र सिंह जी जो बाढडा से विधायक है, उनके पिता थे। मेरे पडौस के थे, वे सबसे छोटी उम्र के विधायक उस इलाके से 1952 मे चुनकर आए और तब से लेकर के अब तक वे संघर्श करते रहे। पैप्सू का जब समय था तो उस समय सबसे छोटी उम्र के मंत्री होने का सौभाग्य उनको मिला। वे पूरे हमारे जिले व इलाके मे ईमानदार व अपने साफ दिल के लिए प्रसिद्ध थे। किसानो और गरीबो के लिए जो उन्होने सघर्श किया उसके लिए उन्हे सदैव याद किया जाता रहेगा।

इसी तरह श्री बीजू पटनायक जी जनता पार्टी के समय हमारे साथ थे और वे अपने अदांज के राजनेता थे। वे सर्विसिज से राजनीति मे आए। आजादी की लडाई के समय आप सबको ध्यान होगा कि किस तरह से वे पडित जवाहर नेहरू जी को खुद पायलट बनकर हवाई जहाज के गोआ के आदोलन मे से निकालकर ले आए थे। उनके निधन से दे ा ने एक बहुत बडे दे ाभक्त को खो दिया है और राजनीति मे बहुत बडा स्थान करता हू।

इसी प्रकार सरदार आत्मा सिंह जी पजांब के पूर्व मंत्री श्री लेख राम ठाकुर, के0एस0 पाठक जिनका हरियाणा के उस इलको के निर्माण मे जिसमे पानी के द र्शन नही होते थे यह जो भिवानी और महेन्द्रगढ जिला जहां खींप और फोंक के सिवाय कुछ नही होता था वहां के लोगो को ईख की फसल की कल्पना करके की हिम्मत के0एस0 पाठक न दी। उनके और चौधरी बंसी लाल जी के प्रयासो से वहा ईख की फसल होने लगी। श्री0के0 एस0 पाठक के निधन से अभिंयंता जगत मे बहुत बडी खलल पैदा हुई है।

इसी तरह मास्टर हरि सिंह, कामरेड बचन सिंह जी के निधान पर मै उनके भाौक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हू। इसी तरह श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह के निधन से गहरा दुख पहुचा है। हिन्दुस्तान और दुनिया के लोग 'आज तक' नामक जो कार्य्क्रम दूरद र्शन पर देखते थे इससे पूर्व दूरद र्शन पर अंग्रेजी कार्यक्रमो की होड लगी हुई थी उसमे हिन्दी का कोंई कार्यक्रम किसी ने प्रारम्भ किया हिन्दी को इलैक्ट्रौनिक मीडिया पर मान्यता दिलाई तो वह सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने दिलाई और हिन्दी पत्रकारिता मे नये इतिहास की रचना की। उनके निधन के बाद से टेलीविजन के डिब्डे मे लोग सूना सूना सा महसूस करते है। हिन्दी पत्रकारिता को उन्होने बहुत बडी वि वसनीयता प्रदान की। कल ही हम उनको बहादुरगढ मे श्रद्धाजति दे रहे थे। पत्रकारिता के क्षेत्र मे लोगो पर तरह तरह की तोहमते आती है यह काफी

कठिन काम होता है वे न्याय के पक्षधर थे। भाोशण के विरूध जिनकी कोई आवाज नही उठाता था उनकी आवाज एस0पी0 सिंह जी उठाते थे उनके निधन से पत्रकारिता जगत और कलमकारों के बीच बडा खलल पैदा हुआ है। उनके परिवारजनो के प्रति मै अपनी गहरी सवेंदना प्रकट करता हू। स्पीकर साहब, जबल्पुर मे भूकम्प से जिन लोगो का निधन हुआ, मक्का के समीप मीना मे आग से जिन लोगो का बदन जला, पठानकोट मे बस मे बम विस्फोट से और भटिडा मे यात्री गाडी मे बम फटने से जिन लोगो का निधन हुआ, उपहार सिनेमा मे लगी आग की त्रासदी के समय एस0पी0 सिंह के मुह से यह भाब्द निकले कि हादसे तो यूं ही होते रहते है और जिन्दगी चलती रहती है उनके आगे उनकी बुलन्द आवाज बंद हो गई और दूरद र्न पर उनकी आवाज दोबारा नही आई। उपहार सिनेमा मे जिन लोगो का देहान्त हुआ और पानीपत के समीम बस दुर्घटना मे जिन लोगो का निधन हुआ उनके परिवार जनों के प्रति मै गहरा संवदेना प्रकट करता हू। महोदय, मै सदन के नेता से निवेदन करता हू हमारे सदस्य चौधरी जगबीर सिंह मलिक जो गोहाना से चुनकर आये है उनके पूज्य पिता जी चौधरी फतेसिंह जी के निधन का प्रस्ताव भी इस भाोक प्रस्ताव मे भाामिल करने का कश्ट करे। चौधरी फतेसिह एक योग्य वकील थे, चेयरमैन थे। मै चौधरी जगबीर सिह मलिक और श्री नृपेन्द्र सिंह के प्रति अपनी संवदेना और उनके दुख मे भाामिल होते हुए इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हू।

श्री रामपाल माजरा (पाई): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता द्वारा रखे गए भाोक प्रस्ताव मे मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से भाामिल होता हू। पिछले सत्र से लेकर आज तक के सत्र तक हिन्दुस्तान मे ही नही बल्कि दुनिया मे बडी बडी हस्तियां चली गई उनके क्षति की पूर्ति तो नही हो पायेगी परन्तु यह दे ा और यह प्रदे ा सरदार हरमिन्द्र सिंह जैसे बहुत ही होनहार और जो अपने वक्तव्य देने मे निर्भीक और नापक सेवा के धनी थे महरूम हो गया क्योकि वह आज हमारे बीच मे नही है। इस कुर्सी पर बैठकर अपनी आवाज बुलन्द किया करते थे आज हरियाणा की सरकार मे उन जैसा ईमानदार न मंत्री है न विधायक है उनका अपना ही रूतवा अलग था। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से सरदार हरमिन्द्र सिंह के भाोकग्रस्त परिवार को श्रद्वाजलि अर्पित करता हू और परम पिता से इस भाोकग्रस्त परिवार को यह सदमा बर्दा त करने की प्रार्थना करता हू। इसके साथ ही श्री अतर सिंह जैसे जिम्मेवार आदमी जो इस सदन मे जनता की आवाज उठाते थे हम से अब जुदा हो गये उनके लख्ते जिग्र आज हमारे बीच मे है। आज उनके द्वारा ही हम उनके कामो को आगे बढाये यही हम सब की उनको सच्ची श्रद्धाजली होगी। श्री बीजू पटनायक जी जो उडीसा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे और जिन्होने आजादी की लडाई मे बढ चढ कर भाग लिया और जिनकी वजह से हम आजाद हुए वे हम से जुदा हो गये। उनके भाोक प्रस्ताव मे भी मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से भाामिल होता हू। इन जैसे बडे नेता के इस दे ा से जुदा होने से

यह दे ा काबिल नेता से महरूम हो गया है उनको मै श्रद्धाजंलि अर्पित करता हू। सरदार आत्मा सिंह पजांब के भूतपूर्व मंत्री रहे तो पजांब के ही नही बल्कि हरियाणा के अन्दर भी उनकी समाज सेवा चलीं। आज हम से जुदा हो गये और इस दुनिया से चले गये आज हम अपनी पार्टी की तरफ से और अपनी तरफ से उनको सच्ची श्रद्धाजति अर्पित करते है।

श्री लेखराम ठाकुर, तत्कालीन पैप्सु विभाग सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष के हुए दुखद निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है। वे आजाद हिन्द फोज के सदस्य भी रहे। वह प्रजा मंण्डल आन्दोलन के संस्थापको मे से एक थे। आज वह हमारे बीच मे नही रहे है। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, अनुभवी विधायक और एक प्रख्यात स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है यह सदन दिवंगत के भाोक सतत्म परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री के0एस0पाठक, सिचाई विभाग, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता के हुए दुखद निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है। वे एक महान विभूति थे जिनको राज्य के प्रति समर्पित सेवाओ के लिए पदमश्री से अंलकृत किया गया। उनके चले जाने से इस सदन को बडा भारी आघात लगा है।

मास्टर हरि सिंह, सयुक्त पजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट कतरा है। उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक और एक महान स्वतत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिंवगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

कामरेड बचन सिह, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट कतरा है। उन्हे 1972 मे ताम्र पत्र से विभूशित किया गया। इस प्रकार एक महान हस्ती के हमारे बीच मे से चले जाने पर उनकी सेवओ से यह दे ा वंचित हो गया है। यह सदन दिंवगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है तथा प्रार्थना कतरा है कि भगवान उनके परिवार को इस हादसे को बर्दा त करने की भाक्ति प्रदान करे।

श्री एस0पी0 सिंह, वरिश्ठ पत्रकार एवम दूरद र्ान कार्यक्रमो के प्रख्यात के निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट कतरा है। उन्होने नवभातर टाइम्स, माधुरी पत्रिका, धर्मयुग, आनन्द बाजार, रविवार, इडिया टू डे, इत्यादि पत्र पत्रिकाओ के माध्यम से इस दे ा को नई दि ाा प्रदान की। वे एक सजग प्रहरी थे। आज उनके असामयिक निधन से यह दे ा उनकी सेवओ से वचित हो गया है।

इसके साथ ही, मध्यप्रदे ा मे जबलपुर से आये भूकम्प से मरने वाले लोगो के दुखत व असामयिक निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है। मक्का के नजदीक मीना मे भीशण आग से मरने वाले श्रद्धालुओ के दुखत निधन पर हमारी पार्टी व सदन गहरा भाोक प्रकट करते है। पठानकोट मे दो बसो और भटिडा के निकट एक यात्री रेलगाडी मे हुए बम विस्फोट मे मरने वाले लोगो के दुखद निधन पर यह सदन व हमारी पार्टी गहरा भाोक प्रकट करते है। दक्षिणी दिल्ली के उपहार सिनेमा हाल मे भीशण आग और भगदड से मरने वाले लोगो के दुखद निधन पर भी यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है तथा दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इसी प्रकार से जिला पानीपत के भालसी गांव के निकट एक ट्रक की हरियाणा परिवहन की खडी बस से टक्कर हो जाने से मरने वाले यात्रियो के दुखत निधन पर भी हमारी पार्टी गहरा भाोक प्रकट कतरी है। धन्यवाद।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है मै उसके समर्थन मे खडी हू। विधि का यह विधान है जो आया है, सो सब अव य जाएगा, चाहे वह राजा हो, रंक हो, बच्चा हो, या वृद्ध हो। यह तो केवल परमपिता को ही पता है कि किस व्यक्ति ने कब जाना है लेकिन एक दिन जाना सभी ने ही है। फिर भी इस

व्यावहारिक जगत मे जो विभतियां समाज के बीच मे चली जाती है, उनके कार्यकलापो को याद करके ऐसा लगता है कि इसकी क्षतिपूर्ति कैसे होगी। इस प्रकार से उनकी अच्छाईयो को याद किया जाता है। सरदार हरमिन्द्र सिंह जी इसी सदन के सदस्य थे। वे मिनिस्टर भी थे और एक मिलनसार व ईमानदार व्यक्ति थे। वाकई उनके जीवन चरित्र से आज की पीढी को काफी प्ररेणा मिल सकती है। मै उनके भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक सवेदना प्रकट करती हू। इसी प्रकार से, श्री अतर सिंह माढीवाला, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य जो कि हमारे साथ के इलको से थे, इस संसार से चले गए। वे एक ग्रेजुएट होते हुए भी बिल्कुल सीधी सादी आम भाश मे बात करके आम लोगो के बीच मे काम करते थे। समाज मे उनकी बहुत अच्छी छवि रही। उनके चले जाने से भी समाज मे बहुत ज्यादा क्षति हुई है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के सदस्यो के प्रति और खास करके माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह जी के प्रति संवेदना प्रकट करती हू कि उनको परमपिता यह दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे। इसी तरह से हमारे माननीय सदस्य श्री जगबीर सिंह मलिक के पिता श्री फते सिंह जी जो हमारे बीच मे चले गए । वे हमारे पास के गोहाना मे एक प्रख्यात वकील थे। और समाज सेवी थे। उनके चले जाने से उस इलाके के लोगो को बहुत भारी नकसान हुआ है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके परिवार के सदस्यो के प्रति और खास करके माननीय श्री जगबीर सिंह मलिक जी के

प्रति संवेदना प्रकट करती हू कि उनको परमपिता यह दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे। और उनके अपने पिरवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों निभाने की भाक्ति प्रदान करे। श्री बीजू पटनायाक स्वतत्रता सेनानी थे। वे समाज मे परिवर्तन की आव यकता को देखते हुए उसके परिणाम देखे बिना उसमे कुद जाते थे। स्पीकर साहब, मेरे से पूर्व वक्ताओ ने चर्चा की कि पडित जवाहर लाल नेहरू जी को पटनायाक जी खुद पायलट बन कर गोआ ले कर आए थे। इंडोनेि िया मे जब महान क्राति आई तो उसक समय वहा के प्रधान सुकारनो को बचाने का अदम्य साहस किया। उनहेाने श्री बीजू पटनायक के काम को बडा सराहा और इंडोनेसिया की सरकार ने पटनायक जी को वहा के सबसे बडी भूमि पुत्र के सम्मान से उनको सम्मानित किया। उनके चले जाने से हमे बहुत दुख है। सरदार आत्मा सिंह एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होने ज्वायट पजांब के अपना एक बहुत बडा रोल अदा किया। उनके चले जाने से भी हमे बडा दुख है। श्री लेख राम ठाकुर आजाद हिन्द फौज से संबधित रहे। वह प्रजा मंडल आन्दोलन के संस्थापको मे से एक थे। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक, अनुभवी विधायक और एक प्रध्यात स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वंचित हो गया है। हमे इसका बहुत भारी दुख है। इसी तरह से मास्टर हरि ंसिंह और कामरेड बचन सिंह जी के चले जाने से हमे बडा दुख है। उनके चले जाने से दे ा एक योग्य प्र ाासक, अनुभवी विधायक और एक प्रध्यात स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वंचित हो गया है। इसी तरह से श्री

एस0पी0 सिंह, वरिश्ठ पत्रकार एवम दूरद र्ान के क्षेत्र मे ऐसी भूमिका रही है जिससे ऐसा लगता है कि जो व्यक्ति टी0वी0 देखता है उसको ऐसा लगता है कि उनका अपना कोई संसार से चला गया है उनका कहानी को अभिव्यक्त करने का ऐसा तरीका था जिसका काफी लोग अनुसरण करते है। जैसे माननीय ि ाक्षा मंत्री जी ने कहा कि वह अपने प्रोग्राम के लास्ट मे यह कहते थे कि आज तक और इन्तजार कीजिए कल तक। अब उनको संसार से चले जाने के बाद कल तक का इंतजार अब हमे ाा के लिए इंतजार रह गया है। उनके चले जाने से हमे बडा दुख है। इसी तरह से दे ा मे जो भिन्न भिन्न हादसे हुए है उनका हमे बडा दुख है। जब्बलपुर से आये भूकम्प से मरने वाले लोगो के दुखत व असामयिक निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है। मक्का के नजदीक मीना मे भीशण आग से मरने वाले, पठानकोट मे दो बसो और 8 जुलाई 1997 को भटिडा के निकट एक यात्री रेलगाडी मे हुए बम विस्फोट मे मरने वाले ,उपहार सिनेमा हाल मे भीशण आग और भगदड से मरने वाले और जिला पानीपत के भालसी गांव के निकट एक ट्रक की हरियाणा परिवहन की खडी बस से टक्कर हो जाने से मरने वाले यात्रियो के प्रति मै अपनी तरफ से और काग्रेस पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हू और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हू कि उनको परमपिता यह दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे। इन भाब्दो के साथ मै सदन से यह प्रार्थना करती हूं कि कुछ ऐसी घटनाए है

जिनको बहुत ज्यादा जिम्मेवार से देखने की आव यकता है ताकि ऐसी घटनाओ की पुनरावृति न हो।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, श्री देवीदयाल नन्हां कुरूक्षेत्र के एक बहुत बडे विद्धान और सघर्श ाील पत्रकार थे। उनके निधन मे पत्रकारिता जगत को बहुत नुकसान हुआ है। उनके निधन से उनके परिवार को जो हानि हुई है उस पर मै भाोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। और माननीय मुख्यमंत्री जी से गुजारि ा करता हू कि चौधरी फतेह सिंह और श्री देवीदयाल नन्हां का नाम भी इन भाोक प्रस्तावो की सूची मे भाामिल कर दिया जाये।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, इन दोनो नामो को भी इस प्रस्ताव मे भाामिल कर लिया जाये।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों पजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस श्री जे0एस0 बेदी जी का भी निधन हो गया। मै सदन मे नेता से गुजारि ा करता हू कि इन भाोक प्रस्तावो की सूची मे इनका नाम भी भाामिल कर लिया जाये।

श्री बसी लाल: अध्यक्ष महोदय, इनका नाम भी भाामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण जिन दिंवगत आत्माओ के बारे मे विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने अपने विचार व्यक्त किए

है, उनमे मै भी अपने आपको भावनाओ के साथ सम्मिलित करता हू।

सरदार हरमिन्द्र सिह जी जो इसी सदन के माननीय सदस्य थे और हरियाणा सरकार के मंत्री थे, उनका व्यक्तित्व बहुत बडा प्रभाव ाली था। वे लोगो के बीच मे रहने वाले इंसान थे। उन्होने हमे ाा ही अपने इलाके की समस्याओ को प्रमुखता से समझा और उनका हल निकालने की कोि ा ा करते हुए इसी कारण वे बडे लोकप्रिय नेता थे। ऐसे महान नेता के हमारे बीच मे से चले जाने से हमे क्षति पहुची है। मै परम पिता से प्रार्थना करता हू। कि उनके भाोक संतप्त परिवार को इस महान क्षति को सहन करने की भाक्ति दे और उनकी आत्मा को भाांति दे।

श्री अवतार सिह माढीवाला इस सदन के भी सदस्य रहे है और पेपसू विधान सभा मे भी 1952 एंवम 1957 मे विधायक रहे। वे 1952–53 के दौरान मंत्री रहे । उन्हेाने मेरे ही विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लडा था। मेरा उनके साथ 40 वर्शो से व्यक्तिगत संबध रहा है। वे कोई भी बात जो सही और चाहे कितनी ही कडवी हो करने से पीछे नही हटते थे। यानि वे अपनी बात स्पश्ट भाब्दो मे कह देते थे। चाहे कितनी ही कडवी हो करने से पीछे नही हटते थे। यानी से अपनी बात स्पश्ट भब्दो मे कह देते थे। भाायद 1952 मे वे पेपसू मे जब विधायक चुने गए तो सबसे कम उमर के वे सदस्य उस वक्त के थे। उन्होने चन्द महीने मंत्री के रूप मे भी काम किया था। उस दौरान उन्हेाने एक अपनी

अमिट छाप छोडी। यही कारण रहा कि वे 1957 मे फिर विधायक चुने गए। इसी प्रकार से 1991 मे भी वे विधायक चुने गए थे। उनमे एक खूबी थी कि उनके चुनावो मे उनके दोस्तो और मतदाताओ के हको के लिए लडते रहे। मुझे उनके निधन से व्यक्तिगत क्षति हुई है। मै यह भी बताना चाहूगा कि जब वे 10वी कक्षा के विधार्थी थे तो उस वक्त उन्हेाने प्रजामंडल मुवमेंट मे भी काम किया था। वे एक महान संघर्श ाील और ईमानदार नेता थे। उनके निधन से जो समाज को ओर उनके परिवार को क्षति हुई है उसकी भरपाई होना मु कल है । उनके सुपुत्र श्री नृपेन्द्र सिंह जो इस समय इस सदन के माननीय सदस्य है मै उनके माध्यम से उस भाोक संतप्त परिवार के प्रति सवेंदना प्रकट करता हू और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू। कि वे ऐसे महान व्यक्ति को अपनी भारण दे।

श्री बीजू पटनायक ने सिर्फ उडीसा के ही नेता थे बल्कि वे समस्त भारत के उन महान नेतओ मे से थे जिनके बारे मे यह कहा जा सकता है है कि he was the son of the soil. उन्होने अपना जीवन एक पायलट के रूप मे आरम्भ किया। इसके बाद वे राजनीति मे आये। वे एक अच्छे कु ाल पायलट थे। जिस प्रकार से एक अच्छे पायलट थे उसी प्रकार से वे राजनीति मे भी एक अच्छे राजनेता थे। इसी कारण वे पायलट से मुख्यमंत्री बने और केन्द्र मे मंत्री बन कर विभिन्न पदों पर काम किया। वे एक बडे अच्छे ऐडमिनिस्ट्रटर थे। वे एक महान और निडर नेता के रूप

मे जाने जाते है। उनके चले जाने से दे ा को बहुत हानि हुई है। सरदार आत्मा सिंह पंजाब के भूतपूर्व मंत्री और पैप्सू के समय मे पहली बार मैम्बर चुने गए थे। उनके निधन मे भी बडा आघात पहुचा है। श्री लेख राम ठाकुर जो पैप्सू विधान सभा के उपाध्यक्ष थे। उस समय चौधरी अंतर सिंह माढीवाला पहली बार एम0एल0ए0 बन कर आए थे, उकने निधन से भी बहुत आघात पहुचा है। श्री के0एस0 पाठक का नाम हरियाणा प्रदे ा मे चिरस्मणीय रहेगा। खासतौर से उनका नाम इसलिए चिरस्मणीय रहेगा कि जिन दिनो मे खेतो की सिचाई के लिए पानी की बात तो दूर उस समय जिन इलको मे पीने तक का पानी उपलब्ध नही होता था उस समय के मुख्यमंत्री तथा वर्तमान मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व मे लिफट इरीगे ान सिस्टम का काम करके, उन इलाको मे पानी पहुचाने का महत्वपूर्ण काम किया। वे बहुत ही कु ाल इन्जीनियर और निश्ठावान व्यक्ति थे। उनके चले जाने से सारे हरियाणा प्रदे ा को भारी आघात पहुचा है। मास्टर हरि सिंह जी सयुक्त पजांब के सयम मे एम0एल0ए0 थे उनके निधन से भी हमे भारी आघात पहुचा है। हमारे इसी सदन मे माननीय सदस्य चौधरी जगबीर सिह मलिक के पूजनीय पिता श्री फतेह सिंह जी का निधन हो गया है जिससे प्रदे ा को गहरा आघात पहुचा है। चौधरी फतेह सिंह का अपने इलाके की जनता मे बहुत ही अधिक रसूख था। मुझे जब भी गोहाना जाने का मौका मिला तो लोगो को सुनने को मिला कि चौधरी जगबीर सिंह मलिक की चुनाव मे जीत तो उनके पिता जी ने पहले ही पक्की कर दी है। इस प्रकार उनकी यह सीट

उनको उनके पूजनीय पिता जी का ही देन है। वे लोगो की समस्याओ के प्रति हमे ाा जागरूक रहा करते थे। इस सदन के माननीय सदस्य चौधरी जगबीर सिंह मलिक के पूजनीय पिता जी के निधन से हमे भारी आघात पहुचा है। मै उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हू। मै परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि उनके परिवार को इस गहन दुख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करे। पत्रकारिता के जगत मे श्री एस0पी0 सिह का नाम हमे ाा चिरस्मणीय रहेगा। जंहा वे एक कु ाल पत्रकार थे वही उन्होने दे ा और समाज की बेहतरी के लिए कार्य किया। दे ा, समाज और गरीब वर्ग की समस्याओ को उन्होने उठाया तथा दूरद र्ान पर हिन्दी को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने मे उन्होने उल्लेखनीय कार्य किया। इसी प्रकार से मई, 1997 मे मध्यप्रदे ा जबलपुर मे आये भुकम्प से मरने वाले लोगो तथा 15 अप्रैल 1997 को मक्का के नजदीक मीना मे हुई दुर्घटना मे मरने वाले लोगो तथा पाठनकोट और भटिडा के निकट हुए बमकाण्डो मे लोगो के दुखद निधन पर मै सवेदना प्रकट करता हू तथा परमपिता से प्रार्थना करता हू कि इन सभी दिंवगतो आत्माओ के प्रति हाउस मे खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण कर इन दिवगतो आत्माओ की भााति के लिए परमात्मा से प्रार्थना करे।

(इस समय हाउस के सभी माननीय सदस्यो ने अपनी अपनी सीटो पर खडे हो कर दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आम्माओ को श्रद्धाजति अर्पित की।

तारकित प्र ान एवम उतर

Draining out the waste water of village Kheri Sampla

***256 Shri Balwant Singh:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to drain out the waste water of village Kheri Sampla (Rohtak) across the market committee road, alongside the kharkhoda Road?

Development Minister (Shri Kanwal Singh) Yes, Sir.

श्री बलवन्त सिहः स्पीकर साहब, आज बहुत ही अच्छी बात हुई है कि सदन मे पहले प्र ान का उतर हां मे मिला है। मंत्री जी यह बताए कि इन नाले पर कितना खर्च आएगा और यह कब तक बनकर पूरा हो जाएगा?

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, इस नाले के तीन पार्टस है। इसमे 300 फूट का टुकडा तो बन चुकबा है जो कि रैस्ट हाउस के साथ है। दूसरा टुकडा 1100 फुट का है जिसके बारे मे मार्किट कमेटी सांपला ने दो लाख रूपये का प्रावधान रखा हुआ है लेकिन इस बारे मे हरियाणा कृशि विपणन बोर्ड की तरफ से कोई आपति है हमारी तरफ से कोई बात नही है। तीसरा यह जो टुकडा है इस पर 2 लाख 66 हजार रूपये खर्चा आएगा। इस बारे मे पब्लिक हैल्थ ने देखा था और उन्होंने उसमे कोई त्रुटि देखी है उसको हम जल्दी पूरा कर देगे।

श्री बलवन्तः स्पीकर साहब, मै मत्री जी से यह जानना चाहता हू कि इसको कम्पलीट करने के लिए कोई समय निर्धारित करे।

श्री कवल सिंहः सर, जो रैस्ट हाउस से जोहड तक का टुकडा है उन पर दो तीन महीन मे काम भाुरू कर देगे और उस काम को हम जल्दी पूरा करवाने की कोि ा ा करेगे।

श्री बलवन्त सिंहः इस पर टोटल कितना खर्च आएगा।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, हम 50 हजार खर्च कर चुके है। 2 लाख का खर्च दूसरे टुकडे पर 2 लाख 66 हजार रूपये तीसरे टुकडे पर खर्चा आएगा। कुला मिलकार 4 लाख 66 हजार रूपये का और खर्चा होगा ऐसा हमार एस्टीमैट है।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर साहब, जोहड से रेलवे लाईन तक नाला बनाने का प्रपोजल है तो क्या उसके पानी को आग खुला ही छोड दिया जाएगा या वहां पर कोई टैक बनाने की योजना है?

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी कोई योजना नही है। ये इस बारे मे हमे बता दे तो हम इसको देख लेगे।

श्री बलवत सिंहः स्पीकर साहब, यह जो नाला इन्होने बनाया है जिस पर ये बता रहें है कि 50 हजार रूपये खर्च किये है। यह नाला न बना हुआ होने के लायक है। वहा पर इतनी

गन्दगी है कि उस रैस्ट हाउस मे जाया नही जाता है, बहुत बदबू वहा पर आती है। इस बारे मे मंत्री जी वहा जाकर देख ले।

श्री कंवल सिंहः इनकी यह समस्या हम देख लेगे। वैसे आज जो स्थिति वहां पर है और जो हमारे पास वहा की रिपोर्ट है उसके मुतबिक वहा बहुत बडा जोहड है और वहा सारा पानी ले सकता है।

कैप्टन अजय सिहः अध्यक्ष महोदय, आज बहुत सारे गावो मे जो कि स्टेट हाईवे एवम ने ानल हाईवे पर पडते है की सडके पर बहुत खराब पानी आ जाता है। धारूहेडा और नंदरामपुर वास ऐसे ही गांव है वहा पर बहुत ज्यादा पानी सडको पर चलता रहता हैं। क्या सरकार ऐसी जगहो पर कोई ड्रेन बनाने का विचार रखती है?

श्री कवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, गावो मे पानी की निकासी का जो मामला है वह किसी सडक से जुडा हुआ नही है बल्कि यह समस्या तो व्यापक रूप से सारे स्टेट मे ही है। इस काम को करने के लिए दो हजार करोड रूपये से भी ज्यादा का खर्चा होगा इसलिए अध्यक्ष महोदय, हम यह रिसोर्सिज की उपलब्धा को देखकर ही करेगे।

Construction of Judicial Complex Building at Ambala Cantt.

***276, Shri Anil Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under conisderation of the Government to construct a new Judicial Complex building at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed?

Chif Minister Shri Bansi Lal:

(a) Yes Sir, suitable land is to identified for construction of Judicial Complex building at Ambala Cantt.

(b) After the land is identified/earmarked, further action will be taken regarding construction of Judical Complex at Ambala Cantt. At this statge, commitment regarding the time by which it is likely to be completed, cannot be given.

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने अम्बाला छावनी मे जुडि ायल कम्पलैक्स बनाने के लिए हां मे उतर दिया है उसके लिए मै उनका अपने विधान सभा क्षेत्र के लोगो की तरफ से धन्यवाद करना चाहता हू। सर, उतर मे कहा गया है कि इसके लिए सुटेबल लैड आईडैटीफाई की जाएगी। सर, मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही यह काम कर लिया जाएगा। लेनिक मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हू कि अम्बाला छावनी मे कचहरियां लगभग पिछले सौ वर्शा से चल रही है लेनिक एंटी रिजर्वे ान मूवमैट मे उसकी क्षति हो गयी थी। उसके बाद उनको अम्बाला छावनी से अम्बाला भाहर स्ाानांतरित कर दिया गया है जिसके कारण वहां के लोगो के अपने छोटे छोटे केसिज के लिए अम्बाला भाहर जाना पडता है। मै आपके

द्वारा मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि जब तक वहां पर नया जुडि ियल कम्पलैक्स के लिए लैंड आईडैटफाई नही की जाती या जब तक वहां नया कम्पलैक्स नही बन जाता तक तक क्या सरकार अम्बाला छावनी मे ही किसी सरकारी आवास मे उस कचहरी को स्थानांतरित करने पर विचार करेगे?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का सवाल बिल्कुल सही है कि लोगो को वहा पर तकलीफ है। हम इसके लिए आईडैटीफाई कर रहे है लेनिक जब तक यह जगह आईडैटीफाई न हो तक तक हम दूसरो मकान भी इसके लिए तला ा रहे है। यदि माननीय सदस्य भी इसके लिए कोई मकान तला ाने मे हमारी सहायता करे तो हम उस मकान को किराए पर लेकर वहां अदालते चलाने के लिए तैयार है। वैसे तीन जगह हमने इसके लिए देखी है। ये है बी0डी0 हाई स्कूल, रैन्ट हाउस के पास सुपर बाजार की बिल्डिग और बगंलार न0 23ए की बिल्डिंग जिसमे यह कोर्ट्स 1989 मे मंडल आन्दोलन से पहले काम कर रही थी और उसी समय मंडल कमी ान के मूवमैन्ट मे इसको जला दिया गया था। इसी जगह पर ये कोर्ट्स जाने के ज्यादा चासिंज है। लेकिन अगर हमे कोई और भी किराया पर मकान मिल जाता है तो हम उस मकान मे भी तब तक ये कोर्ट्स चलाने के लिए तैयार है। आनरेबल मैम्बर्ज या फकीर चंद जी भी इस काम मे हमारी सहायता कर सकते है।

श्री अनिल विंजः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय को बताना चाहता हू कि अम्बाला छावनी मे जुडि ियल कम्पलैक्स के लिए जगह तो उपलब्ध करवायी जा सकती है। मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी इस बारे मे आदे ा देगे। मुझे पूरा वि वास है कि भीघ्र ही हम इसके लिए वहां कोई जगह ढूंढ लेने और भीघ्र ही यह कचहरिंया अम्बाला छावनी मे स्थानांतरित हो जाएगी।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै अधिकारियो को आदे ा दूंगा कि वे इसके लिए कोई ऐसी जगह तला ा करें जहा पर अदालते चलायी जा सके। मै आनरेबल मैम्बर्ज से भी रिक्वैसट करूंगा कि ये इस काम मे हमारी सहायता करे।

श्री निर्मल सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूगा कि जिस बंगला का इन्होने अभी जिकर किया है कि वहां पर पुरानी अदालते चला करती थी और अब फिर वह इनको ले जाने का विचार है। लेनिक उस बिल्डिंग पर तो एक अधिकारी यानी सैक्रेटरी, आर0टी0ए0 ने कब्जा कर लिया है। सैक्रेटरी, आर0टी0ए0 ने उस बिल्डिंग को खरीद लिया और बतौर सैक्रेंटरी, आर0टी0ए0 वहं वहा ि ाफ्ट भी कर गया। इसके उस दफतर को बाद मे वहां से वैकेट करा दिया। आप चाहे तो इस बात को चैक भाी कर सकते है।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई बात सैक्रेटरी, आर0टी0ए0 अपने आप उस मकान पर कब्जा कर गया तो इसकी हम इक्वायरी करवा देगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री से जानना चाहूगा कि रिवाडी, कैथल, पानीपत और यमुनानगर नये जिले बने थे लेकिन वहां जुडि ियल कम्पलैक्स नही बन पाए है। क्या उनके बारे मे कोई प्रौग्रेस है जुडि ियल काम्पलैक्स न होने की वजह से रिवाडी के लोगो को नारनौल जाना पडता है और कैथल के लोगो को पिहोवा जाना पडता है यहा यदि नये जुडी ियल कम्पलैक्स बन जाए तो लोगो को काफी सुविधा होगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, रिवाडी मे तो अदालते काम कर ही है और जैसे ही फंड हमारे पास आएगे नये कम्पलैक्स भी बना दैगें। कैथल मे आलरेडी अंदर कंस्ट्रक ान है इसके अलावा जंहा जहां की हमारे सामने बात आएगी हम जुडी ियल को प्रैफरैस देगे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमत्री महेादय से जानना चाहूगा कि पानीपत के अदंर जुडी ियल कम्पलैक्स बनाने के लिस सरकार ने क्या किसी जमीन का चयन किया है यदि हा, तो वह कितने एकड जमीन है और कब तक वहां कम्पलैक्स बना दिया जाएगा?

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, पानीपत मे जुडीि ायल कम्पलैक्स जल्दी ही बनाना चाहते है लेकिन पिछली सरकार के मुख्यमंत्री जी ने एक जमीन पर सैक्रेटरिएट का फाउडे ान स्ओन रख दिया जो कि डिफैस की जमीन है और वह जमीन अभी तक हमको ट्रासफर नही हुई है। तो पहली कोि ा ा तो हमारी यह है कि वह जमीन हम डिफैस से ले अगर वह जगह न मिली तो पानीपत से समालखा कि तरफ तक एक जगह है वह बनाएगे।

Providing of Drinking Water

***375. Dr. Virender Pal Ahalwat:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether it is fact that there is an acute shortage of drinking water in village Bisan. Siwana and Khatiwas; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Governement of provide drinking water to the above said village?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जगननाथ):

(क) जी नही।

(ख) उक्त ''क'' के दृश्टिगत किसी कार्यवाही की आव यकता नही।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावत: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से जनस्वास्थय मंत्री जी से जानना चाहूगा कि इन तीन

गावो के अदंर पीने के पानी की गंभीर समस्या है फिर भी इनका जवाब है कि जी नही तो क्या मंत्री जी बता पाएगे कि यहा कितने पानी की कितने लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से आपूर्ति की जा रही है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य से तीन गावो बिसान, सिवान और खातीवास के बारे मे पूछा है और इन गावो मे पानी की ऐक्यूट भाार्टेज है हमारे उतर मे अनुसार यह है कि बिसान गांव के अंदर गोछी गांव से पानी जाती है जो कि 30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसब से है। सिवान गांव के अदंर ही वाटर वर्क्स है और 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी की आपूर्ति है।जंहा तक खातीवास की बात है वहां खडी कुम्हार से पानी जाता है जो कि 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन है और ऐसी कोई बात नही है कि वहा पानी नही है।

श्री रामपाल माजराः सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि पूरे प्रदे ा मै पीने के पानी की समस्या कितने गावो मे है और उसे दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए है?

श्री जगननाथः सर, ऐसा है कि हरियाणा मे अब 19 जिले है इन जिलों मे से 6 जिलो सिरसा, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ, रिवाडी, रोहतक और अब झज्जर और फतेहबाद मे ज्यादा पानी देने की कोि ा ा की जा रही है 40 लीटर के

बजाया वहां 70 लीटर पानी पहुचाने की कोि ा ा की जा रही है। क्यो कि यहा जमीन से ज्यादा खारा पानी है और पीने के लिए व प ुओ के लिए भी पानी नही है।

15.00 बजे

मान्यवर, सारे हरियाणा मे 6745 गांव है और हमारी सरकार की यह नीति है कि हर गांव मे 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी पहुचाया जाये। उनमे कुछ 1087 गांव ऐसे है जिनमे 20 और 40 लीटर के बीच प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी पहुच रहा है। सरकार की नीति यह है कि सन् 1998–99 तक सभी गावों मे 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से पानी पहुचाया जाये।

श्री बलबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि कि मंत्री जी जंहा 40 लीटर पानी देने की बात कर रहे है परन्तु हमारे गावो मे कुछ गांव ऐसे है जिनमे एक लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन भी पानी नही पहुच रहा है। भैणी भैरो गांव मे पानी को कोई समाधान नही है। पीने के लिए पानी तो अव य चाहिए चाहे खेतो के लिए पानी आप न दे।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई दिक्कत नही है। कुछ गावो मे स्कीम ऐसी होती है कि दो दो गांवो मे एक ही लाइन से पानी की सप्लाई की जाती है। कभी अगर लाइन टूट जाये तो दिक्कत आ जाती है या कई बार रजबाहो की सफाई न

होने के कारण पानी टेल तक नही पहुच पाता परन्तु अब रजबाहो की सफाई करने के बाद टेल तक पानी पहुचने लगा है। पिछले सै ान मे श्री बलबीर सिंह जी ने भैणी गांव का जिकर किया था परन्तु बाद मे इन्होने स्वीकार किया था कि सरकार का जवाब सही है। फिर भी जिस गांव मे पानी नही पहुचाता है उस गांव को दूसरे गांव की सप्लाई के साथ जोडकर हम पानी प्रबन्ध जरूर करेगे।

श्री जसविन्द्र सिंह सधुः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब मे कहा है कि सरकार हरियाणा की जनता के दो साल के अन्दर अन्दर पीने का पानी उपलब्ध करवा देगी। मै आपके द्वारा मंत्री जी को बताना चाहूगा कि मेरी अपनी कास्टीच्यूसी मे एक गुमथलागुडू गांव है। उसमे तीन पचायते है जिनमे दो पचायते डेरा फतेह सिंह आज से तीस साल पहले अलहदा हो गई थी और दूसरी पंचायत डेरा मदनपुर आज से 12–13 साल पहले अलहदा हुई है। इन तीनो पचायतो मे कई कई हजार की आबादी है। गांव गुमथलागुडू मे तो पीने के पानी की प्रौपर सुविधा है लेकिन जो दो पचायते अलहदा हुई है उनमे पीने के पानी की कोई सुविधा नही है। सिर्फ एक गावं को ही मौजा मानकर यह मान लिया जाता है कि तीनो पचायतो को पीने के पानी की सुविधा दे दी गई है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या वे इन दो अलहदा पंचायतो को भी पीने के पानी की सुविधा देने के बारे मे विचार कर रहे है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी बताया है कि सारे हरियाणा मे 1087 गांव ऐसे है जहां 20–40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से कम पानी मिलता है। वह सब इस साल मे पूरा हो जायेगा। इस प्रकार की दिक्कत तब आती है जब रजबाहा टूट जाये, बिजली की खराबी हो जाये या वाटर वर्क्स की सप्लाई फेल हो जाये। जैसा कि मई जून के महीने मे बिजली न आने से फरीदाबाद गुडगांव और भिवानी मे काफी दिनो तक पानी की दिक्कत रही। हमारी कोि ा ा यह है कि हर गांव मे पानी की समस्या को हल किया जाये।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हू कि मेरे हल्के मे कई गांव इस किस्म के है जै कि मदीनपुर, मलिकपुर, गोपालपुर इत्यादी, जंहा पर पब्लिक हैल्थ के ट्यूबवैल्ज वगैरहा तो लगे हुए है वहा पर सारा काम तो तैयार है लेकिन वह बिल्कुल भी चालू नही हुए है। इससे लोगो को पानी की बडी भारी तकलीफ उठानी पड रही है। पानी का स्तर वहा पर इतना गहरा हो चुका हैं कि नलके वगैरहा भी अब काम नही कर रहे है। इसलिए मै आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूगा कि जो टयूबवैल्ज तैयार है कम से कम उनको तो चालू करवा दिया जाए ताकि वहा के लोगो को पानी की समस्या न होने पाए।

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य मेरे नोटिस मे अपने हल्के की जो भी इस प्रकार की समस्याएं है, ला देगे तो हम उनका समाधान कर देगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि अभी मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि उन 6 जिलो मे फतेहबाद व झज्जर भी जोड दिया गया जंहा पर प्रति व्यक्ति पानी की कैपेसिटी 40 लीटर से 70 लीटर करने जा रहे है। मै मंत्री जी य जानना चाहता हू कि वह यह क्या कर रहे है? वह यह क्या कदम उठाने जा रहे है? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस संबध मे दो बाते होती है। एक तो जंहा पर वाटर वर्क्स बन हुए है, उन गांवो की ''फिरनी'' के अदंर पानी के पाईप लगे होते है। पहले तो वह 10–12 ही थे। उसके बाद, 200,250 व 300 तक भी हो गए। यह पाईप सारे हरियाणा मे लगे हुए है। मै यह पूछना चाहता हू कि क्या वे ये पाईप्स बदलकर पानी की कैपेसिटी 70 लीटर करने जा रहे है या नए वाटर वर्क्स बनाकर के वे इस कैपेसिटी का पानी देगे? अगर ऐसा है तो मै मंत्री जी से यह पूछना चाहता हू कि उन्होने कितने वाटर वर्क्स चालू किए है या कितने गांवो मे पाईप बदलकर पानी पहुचाया गया है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हू जैसे कि उन्होने पूछा कि क्या करने जा रहे है, क्या कदम उठाने जा रहे है। हम लोगो को साफ सुथरा पानी

पिला रहे है। आप अगर ऐलानाबाद या रानिंया कि बात पूछगे कि वहां पर कितनी ईटे लगा रहे है या वहां पर कितने मजदूर काम कर रहे है इत्यादि इनते विस्तार से प्र ानो का उतर देना सभव नही है।

डा0 वीरेन्द्र सिंह अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कर रहे है कि वे जनता को साफ सुथरा पानी देगे। लेकिन मै प्र ान पूछना चाहता हू कि हमारे प्रदे ा के अंदर कितने पानी के लीगल प्वाएंटस है और कितने इल लीगल प्वाएटस है। क्या कभी सरकार ने इन प्वाएंटस को चैक कराया है? हर गांव मे पानी की पाईप्स को तोडकर अपनी मर्जी से लगा ली जाती है तथा कही पर पाईपे इस प्रक्रिया मे लीक करने लग जाती है जिससे कि गंदा पानी सप्लाई होता है तथा बिमारी वगैरहा फेलने का खतरा बना रहा है। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि क्या किसी व्यक्ति के इस प्रकार के नाजायज कनैक ान रखने के सदर्भ मे सरकार ने कोई एक ान लिया है? दूसरी बात यह है कि जो मंत्री महोदय ने अभी जवाब से बताया है वह तथ्यो पर आधारित नही है। इसलिए, सदन मे तथ्यो पर आधारित बात ही कहनी चाहिए वरना पाप के भागी बनेगे।

श्री अध्यक्षः आप प्र ान पूछिए।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर सर, मेरा प्र ान तो यह है कि पानी के कितने कनैक ान ऐसे है जो कि नायायज तौर पर लिए गए है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि डा0 वीरेन्द्र पाल जी ने पूछा है कि कितने नायायज कनैक ान लिए हुए है तथा कोई कार्यवाही नही हुई है। मै बताना चाहता हू कि आने वाले समय मे यह कोि ा ा की जाएगी कि हर मोहल्ले व गांव के अंदर पानी खराब व बर्बाद न होने पाए। इसके अतिरिक्त घरो के अंदर भी पानी के कनैक ान देने की कोि ा ा की जा रही है। इसके साथ ही साथ यह भी कोि ा ा की जा रही है कि आने वाले समय मे, जो लोग नायायज तौर पर डायरैक्ट की जा सकती है लेकिन अभी तक लोगो को इस मामले मे थोडी ढील दी गई है क्योकि लोगो को हम पीने के लिए भाुद्ध पानी दे रहे है। माननीय सदस्य ने जिन तीन गावो के बारे मे पूछा है उनके बारे मे मैने जवाब दे दिया है। बीसान गांव मे 30 लीटर प्रति दिन व्यक्ति के हिसाब से पीने का पानी सप्लाई किया जा रहा है और सीबाना और खातीवास मे 40 लीटर प्रतिदिन व्यक्ति के हिसाब से पीने का पानी सप्लाई किया जा रहा है। इन्होने जायज और नायायज टूटियो के बारे मे जो पूछा है उसके बारे मे मै इस समय औफ हैंड कुछ नही बता सकता।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया।

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाएं।

डा0 रण्दीप सिंह सुररेवालाः स्पीकर साहब, पूर्व काग्रेस पार्टी की सरकार ने एक स्कीम चलाई थी कि जो 10 हजार की आबादी के बडे गांव है उनको पीने के पानी के घरो मे कनैक ान दिए जाएगे। क्या सरकार के विचारधीन ऐसी कोई स्कीम है जिसके तहत 10 हजार तक की आबादी के गांवो मे पीने के पानी के घरो मे कनैक ान दिए जाएगे। इसके साथ मै यह भी जानना चाहता हू कि क्या मौजूदा सरकार के पीने के पानी का कनैक ान देने का काम भाुरू करके सारे हरियाणा प्रदे ा के सभी छोटे और बडे गावो के घर घर मे पीने का पानी का कनैक ान देने की कोई योजना बनाई है, अगर बनाई है तो वह योजना कितने समय तक क्रियान्वित किए जाने की संभावना है?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, जिन 8 जिलो के गावो मे 70 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन सप्लाई किया जा रहा है उन गावो मे घर घर मे पीने का पानी का कनैक ान देगे और जो छोटी छोटी ढाणिया है उनके बारे मे भी सोचा जा सकता है लेकिन इस बारे मे टाईम बांउड यह नही कहा जा सकता कि यह काम इतने समय मे कर दिया जाएगा। हमारे पास ज्यो जयों पैसे का प्रावधना होकर होता जाएगा हम यह काम करते जाएगे।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा कि बडे बडे गावो मे 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी सप्लाई

किया जाएगा उसके बाद घर घर मे पीने के पानी का कनैक ान दिया जाएगा। लेकिन इस समय पीने के पानी की सप्लाई के लिए जो पाईपे बिछाई हुई है उनकी 70 लीटर प्रति दिन प्रति व्यक्ति पानी की कैपेसिटी नही है तो फिर ये इतना पानी कैसे सप्लाई कर पाएगे।

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, जहा जहां पर 70 लीटर पानी उपलब्ध हो जाएगा वहां पर हम पाइपो को भी हिसाब से बदल देगे।

श्री रामफल कुण्डुः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जींद जिले मे ऐसे कितने गांव है जिनमे 70 लीटर पानी की प्रति दिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से दिया जा सकता है।

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, इसके लिए अलग से नोटिस दे दे इनको बता देगे।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिन तीन गावो के बारे मे सवाल पूछा था उनके बारे मे मंत्री जी ने बडा साफ सुथरा जवाब दे दिया कि हम हरियाणा प्रदे ा के लोगो को बडा साफ सुथरा पानी पिला रहे है लेकिन इनको इस बात की तकलीफ हो रही है।

श्री देवदत दीवानः अध्यक्ष महोदय, अगर हरियाणा प्रदे ा मे पीने का पानी सबसे ज्यादा कम सप्लाई हो रहा है तो वह सोनीपत मे हो रहा है। सोनीपत मे पांच लीटर प्रति व्यक्ति

प्रति दिन भी पानी नही मिल रहा है। आज से दसियों साल पहले सोनीपत मे कैनाल बेस्ड पीने के पानी की स्कीम बनी थी लेनिक वह स्कीम ठण्डे बस्ते मे ही पडे है। मुख्यमंत्री जी 6 तारीख को पौने पाच करोड की उस स्कीम के बारे मे अनाउंमैट करके आए थे कि उसका काम जल्दी ही भुरू हो जाएगा। मंत्री जी बताए कि उस स्कीम का काम कब तक भुरू करवा दिया जाएगा।

श्री जगन नाथः सर, ऐसी बात नही है कि वहां पर 5 लीटर भी पानी एक व्यक्ति को न मिले रहा हो। सोनीपत जिले को हमे ाा पानी मिलता रहा है। जंहा तक सी एम साहब की घोशण का संबध है उस पर जल्दी से जल्दी अमल होगा।

श्री बलंवत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने सवाल के जवाब मे बताया है कि हम गावो मे 40 लीटर से लेकर 70 लीटर तक प्रति दिन प्रति व्यक्ति पानी दे रहे है, यह जहा पर यह सुविधा नही है वहा पर भी इतना ही पानी उपलब्धा करवाया जायेगा। जो बडे बडे गांव है उनकी आबादी किसी की 1 हजार घरो की है किसी की 2 हजार घरो की है। उन सभी को पानी नही मिल पाता जैसे मेरे हल्के मे करौता, पाकसमा या दूसरे जो बडे गांव है उनकी दो हजार घरो से अधिक की आबादी है ंवहां पर उन लोगो को 40 से 70 लीटर तक पानी नही मिल रहा।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री जगन नाथः हमारी कोि ा ा तो हर जगह तक पानी पहुचाने की है। अब कुछ लोगो के बीच मे नलके लगा लिए है जिससे पूरा पानी आगे तक नही जा पाता ंजंहा हमने 5 नलके लगाये हुए थे वहां पर लोगो ने एनअथोराईज्उ ढंग से 15–20 और लगा लिए है जिस कारण यह दिक्कत आई है। अगर की दिक्कत है तो ये बताए वहा पर हम अलग से लाईन लगा कर वंहा तक पानी पंहुचाने की कोि ा ा करेगे।

Sale of Iilicit Liquor

387. Shri Bhagi Ram: Will the Minister for Prohibition and Excise be pleased to state the district wise number of cases registered against the persons indulging in selling illicit liquor in the State during the period form 1-11-1993 to date?

Food and Supplies Minister: (Shri Ganeshi Lal): A statement is laid on the table of the House.

Statement

The district wise number of cases registered agaisnt the perosns 8indulging in selling illicit liquor in the State during the period form 1-11-1993 to date (14-7-1997) is as under:-

Sr. No.	**No. of the District**	**No of cases registered**
1.	Amblala	646
2.	Panchkula	113

3.	Yamuna Nagar	1603
4.	Kurukshetra	755
5.	Kaithal	1370
6.	Rohtak	832
7.	Karnal	680
8.	Panipat	1027
9.	Sonipat	557
10.	Gurgaon	866
11.	Faridabad	1729
12.	Rewari	219
13.	Narnaul	427
14.	Hisar	853
15.	Sirsa	1792
16.	Jind	1221
17.	Bhiwani	1109
Grand total	**Total**	**15799**

अध्यक्ष महोदय, इस लिखित जवाब के अलावा मै थोडी सी जानकारी और सदन को देना चाहूगा। अब तक एक्साईज एक्ट के तहत कुल 59 हजार केसिज दर्ज हुए है और इनमे 63775 व्यक्ति भाामिल है। यह सूचना भी इसके साथ मानी जाये।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने लिखित जवाब मे बताया कि 15799 केस दर्ज हुए है। मै जानना चाहूगा कि इन केसो मे सिरसा जिला जो इनका है और भिवानी जिला मे कितने ऐसे केसो की संख्या है जो पुलिस के साथ मुठभेड के बाद दर्ज हुए है।

श्री अध्यक्षः यह इररैलेवेंट क्वै चन है। आप बैठिये।

श्री अ ाोंक कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से एक जानकारी चाहूगा। कुरूक्षेत्र जिले के अन्दर लाडवा थाने के अन्दर एक केस दर्ज हुआ था। एच0वी0पी0 के एक नेता के रि तेदारो के बारे मे इस केस के बारे मे अखबार मे छपा था कि वह केस वापिस लिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय ये यह जानना चाहूगा कि वह केस किस बिनाह पर वापिस हुआ है?

मुख्यमंत्री चौधरी बसी लालः कोई केस वापिस नही हुआ है (विघ्न) अखबारो मे तो काफी कुछ छपता रहता है। हरिाणा गवर्नमैंट के सामने केस वापस लेने के लिए न तो कोई दरखास्त आई है और न ही कोई फाईल सरकार के सामने आई है कि कोई केस वापिस ले लिया जाए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले के एक गावं बालासर मे इस कैबिनेट का एक वजीर गया था। वहा पर दारू पी कर के उनके बांडीगार्डज और दूसरे पुलिस कर्मियो का

झगडा हुआ था। यह बात अखबार मे भी छपी थी कि राम स्वरूप रामा के बाडीगार्ड और उनके रि तेदार का उनकी हाजरी मे चालान हुआ था। मुझे इस बारे मे पूरा पता नही है लेकिन ऐसी चर्चा है कि उस समय श्री रामस्वरूप रामा जी भी दारू के न ो मे थे। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से यह जानकारी चाहता हू कि उनके बांडीगार्ड का तो चालान किया गया लेकिन उनको क्यो छोड दिया गया?

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने सम्मानित साथी को बताना चाहता हू कि चाहे दे ा हो चाहे प्रदे ा हो हर जगह कानून और सविधान का राज्य है। मुझे मालूम नही कि किसी व्यक्ति का नाम ले कर चाहे वह मंत्री हो या चेयरमैन हो, उसके बाडीगार्ड का झगडा हुआ इससे पता नही सम्मानित सदस्य इस सदन मे और हरियाणा की जनता मे क्या मैसेज देना चाहते है। हरियाणा मे हरियाणा विकास पार्टी और भारतीया जनता पार्टी की सरकार मे पुलिस की वर्दी बोझ नही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै हाउस मे यह बताना चाहता हू कि हरियाणा मे भाराब के मामले मे पूरी ट्रासपेरैंसी है और इसे रोकने के लिए सिंसियर एफ्टर्ज की जा रही है। कानून की नजर मे सब बरबार है चाहे कोई कितना ही बडा व्यक्ति क्यो न हो उसे बख्भाा नही जाएगा। अध्यक्ष महोदय, कोई केवल इसी आधार पर कहे कि मैने सुना है या ऐसी चर्चा है, मे समझता हू कि कोई अच्छी बात नही है।

श्री खु र्शीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, भाराब बन्दी के मामले मे मंत्री महोदय ने बताया है कि 1792 केसिज सिरसा जिले मे हुए है इस प्रकार से इस मामले मे यह जिला चैम्पियन आता है। क्या कारण है कि सिरसा मे गैर कानूनी भाराब के बेचने पर ज्यादा केसिज रजिस्टर्ड हुए है?

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि जहां वैल्थ एक्युमुलेट होता है, मैने डिके होता है। जब एक हजार के नोट के बन्द हुए थे तो उस समय सिरसा बम्बई के बाद दूसरे नम्बर पर आया था। हमारा सिरसा जिला का बार्डर पजांब और राजस्थान से करीब 600 किलोमीटर लगता है इस एफल्युऐंसी के कारण यहां पर ज्यादा भाराब भी लाई जाती है और आकडो से भी जाहिर होता है कि उतने ही ज्यादा केसिज वहा पर रजिस्टर्ड हुए है और ज्यादा लोग वहा पर पकडे भी गए है। अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य को स्मरण करवाने मे मुझे कोई कश्ट नही होगा कि इस सरकार से पिछली सरकारो के समय मे ये लोग मंत्री भी रहे है उनको पता होगा कि जब इनकी गाडी हूटिंग करते हुए चलती थी तो मुर्गा भी नाड नीची करके कुक्कड कू करता था और भाटर भाराब का खुलता था। अभी इस सरकार मे मुर्गा भी कुक्कड कू गर्दन ऊपर करके बोलता है। जब हरियाणा मे भाराब बन्द हुई थी तो उससे पहले हरियाणा मे कोई भी पार्टी बगैर काकटेल के खत्म नही

होती थी लेकिन आज हरियाणा मे न ''कोक'8 है और न ''टेल'' है।

खेल राज्य मंत्री (श्री राम सरूप रामा): अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। (विध्न एवम भाोर)

श्री अध्यक्ष: चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप बैठ जांए।

Please all of you take your seats. (भाोर एवम व्यवधान)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा सबमि ान है कि भागी राम जी ने सदन मे झूठी और निरधार बात कही है। It is a personal allegation. Please listen to Sh. Ram Saoop Rama also. (Noise & interruptins) अब राम स्वरूप रामा जी को भी अपनी बात करने का मौका दे। (भाोर एवम व्यवधान)

That was not releveant protion of his question. There was no supplementary.

श्री राम स्वरूप रामा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से भागी राम जी को यह बताना चाहूगा (भाोर एवम व्यवधान) आप मेरी बात सुन ले।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह जो भागी राम जी ने कहा है आप उसको एक्सपंज करवाए। (भाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप सब बैठ जांए। भागी राम जी ने सीधा मंत्री जी का नाम लिया है इसलिए उनको भी उस बात का जवाब देने का मौका दिया जाना चाहिए। (भाोर एवम व्यवधान) प्र ान काल के बाद मंत्री जी बोल लेगे।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, चौधरी भागी राम जी ने सीथे जी का नाम लिया है that was not relevant portion of his question. (Noise & Interruptions) इसको एक्सपज किया जाए। (भाोर एवम व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि 17 जिलो के अन्दर 15799 केस दर्ज करवाए है। ये जो केस है इनमे से आज तक पुलिस थाने वालो ने कितने केसो मे कोर्ट मे चलाने पे ा किए है और उनमे से कितनो को सजा हुई है।

श्री गणे ी लाल: अध्यक्ष महोदय, 59 हजार 52 केसिज रजिस्टर्ड हुए थे जिनमे से 27 हजार 535 चालान कोर्ट मे पे ा हुए और 1701 केसिज मे कनविक ान हुई है।

डा0 बीरेन्द सिह: अध्यक्ष महोदय, यह कनविक ान दो तरह की होती है। एक तो भाराब का इन्डस्ट्रीयल डिस्ट्रीब्यू ान या

बडी मांत्रा मे स्मगलिंग वगैरहा है जैसे कि हम अखबारो मे पढते है कि ट्रक के ट्रक भाराब के पकडे गए। इसके साथ ही दूसरी तरह के वह केस है कि कोई आदमी भाराब पीकर घूमता हुआ पाया गया। ऐसे केस भी बने हुए है (विघ्न) मै मंत्री जी से यह जानना चाहूगी कि भाराब की स्मलिंग के और भाराब की भटठी चलाने के कितने केसिज ऐसे है जिनमे कनविक ान हुई है। जैसा इन्होने कहा है कि 27 हजार केसिज मे से 1701 केसिज मे कनविक ान हुई है। मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि कनविक ान हुए 1701 केसिज मे से बडे मुर्गे कितने फसे हुए है और कितनो को सजा हुई है?

श्री गणे ाी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने सम्मानित सदस्य को बताना चाहूगा कि इसमे लगभग 23571 केसिज ऐस है जो बेले बल है और जिनके पास दो बोतल से कम भाराब मिली है। इसके अलावा लगभग 35301 केसिज ऐसे है जिनके पास से दो बोतले से ज्याद भाराब पकडी गयी है। इसके साथ 23571 केसिज मैने बेलेबल आफैसिज के बताए है। इसमे लगभग 25865 लोग भााामिल है और जो नांन बेलेबल आफैजि के केसिज है वह लगभग 37908 है। हमने 59052 केस रजिसटर्ड किए है जिसमे कि 63071 लोग भााामिल है तो अगर हम इसका डिस्ट्रीब्यू ान ठीक से करे तो लगभग 1.202 के करीब एक केस के साथ, रजिस्ट्रे ान के साथ एक आदमी आता है। इसलिए इनका यह कहना कि कोई माफिया ग्रुप होगा या कोई और बात

बडे लोग इसको आपरेट करने वाले होगे, ठीक नही है। अध्यक्ष महोदय, मै यदि कुछ केसिज मे एक एक करे भी अगर चार हजार लोगो को अलग से छोड दू तो कुछ केसिज ऐसे है जो ट्रक के माध्यम से भाराब की इल्लिसिट स्मगलिंग करते है। जहा तक इन्होने वर्किग स्अील्स की बात पूछी है कि कितनी भटठियां इस तरह की पकडी गयी है मै इनको इस बारे मे बताना चाहूगा कि हमने इस तरह की लगभग 10866 भटिठयां पकडी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिन 1701 आदमियो का कनविक ान हुआ है उनमे से भटिठयां चलाने वाले और बडी स्मगलिंग करने वाले कितने आदमियों को अभी तक सजा हुई है, यह मंत्री जी हमे बता दे?

श्री गणे ाी लालः अध्यक्ष महोदय, इसमे लगभग जी बेलेबल आफैसिज के केसिज है जिनमे सजा हुई है, वह लगभग 1566 है और बडे केसिज मे जिनको सजा हुई है उनकी सख्या 1035 है।

श्री जसविन्द्र सिंह सधुः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मुंख्यमंत्री जी ने हमारे माननीय साथी श्री अ ाोक जी की सप्लीमैट्री के जवाब मे बताया कि किसी के खिलाफ कोई मुकदमा आज तक हमने वापस नही लिया। सर, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि लाडवा थाने मे जो श्री भोर सिंह के नाम एक मुकदमा दर्ज हुआ था क्या वह वापस हुआ या

नही? श्री भोर सिंह जी मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री वेदपाल जी के साले है। मंत्री जी ने आकडे देकर जिला कुरूक्षेत्र के बारे मे बताया है। लेकिन मै इनको बताना चाहूगा कि इस केस के दर्ज होने से पहले श्री रणधीर भार्मा वहा पर एस0एस0पी0 थे लेकिन इसके बाद उनको वहा से बदल दिया गया।

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, आप स्अेटमैट न दे बल्कि क्वै चन पूछे।

श्री जसविन्द्र सिंह सधुः अध्यक्ष महोदय, मे आपके माध्यम से इनके नोटिस मे एक चीज लाना चाहता हू कि प्रदे ा मे आज जो अधिकार ईमानदारी से भाराबबंदी लागू करना चाहता है और यदि वह सता पक्ष से जुडे हुए किसी प्रभावी आदमी पर अपना हाथ डालता है तो वंहा से उसका तबादला कर दिया जाता है। सरकार बताए कि श्री भोर सिंह जी का केस वापस लिया गया है या नही?

श्री बंसीलालः अध्यक्ष महोदय, इनकी यह बात बिल्कुल निराधार है। हमने किसी एस0एस0पी0 का तबादला नही किया बल्कि हकीकत तो यह है कि उसको उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण पद पर लगाया गया है। हमने कोई मुकदमा वापस नही लिया। न कोई ऐसी दरखास्त की है और न ही ऐसा कोई डिसीजन है। ये अपने ही इस तरह की बाते घड लेते है।

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, जसविन्द्र सिंह जी ने भोर सिंह के जिस केस के बारे मे जिकर किया है तो उसी बारे मे मै सरकार से जानना चाहूगा कि क्या इसकी क्या इक्वायरी दोबार से भाुरू की गयी है या नही कि यह केस गलत दर्ज हुआ था या ठीक दर्ज हुआ था?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): इस मामले के अंदर आप एक इ ा ऐसा खडा करके किसी एक आदमी के नाम को पोलिटिकली इन्वौल्वड करके गलत तरीके से प्रचार करने का साधन बना रहे है। (भाोर एवम व्यवधान) जैसे कि मुख्यमंत्री जी ने बताया कोई केस भाराब के मामले मे वापस नही हुआ। एक भोर सिंह का नही बल्कि सारे हरियाणा के अंदर भाराब के मामले मे छोटा या बडा कोई केस वापस नही हुआ। दूसरी बात यह है कि भाराब के पकडने की ि ाकायत पर कोई सिपाही तक भी तबदील नही हुआ और आप कहते हो कि एस0पी0 तबदील हुआ है। भारबंबदी स्टेट के फायदे के लिए की गई है आप इसको इ ा न बनाए।

Consturction of Power House at Village Singhana

420. Shri Ram Phal Kundu: Will the Cheif Minister be pleased to state the time by which the power House of Village Singhna, district Jind is likely to be commissioned?

Chief Minister (Shri Basni Lal): Construction of 33KV Sub Station Singhana in district Jind is likely to be completed during the year 1997-98.

श्री राम फल कुण्डु: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने दो महीने पहले जींद मे आ वासन दिया था कि एक महीने के अंदर अदर सब स्टे ान बनकर तैयार हो जाएगा लेकिन आज तक वहा एक भी आदमी काम पर नही लगा है। विगत 8–10 साल मे वहा पर बिल्डिग बनी पडी है और एक साल मे वहा कोई पोल तक नही लगा और अगर कही पोल लगे थे तो उन पर तार नही खेंचा गया तो किस तरीके से यह 1997–98 मे पूरा हो जाएगा?

श्री बसी लाल: अध्यक्ष महोदय, सिंघाना के बारे मे मैने कोई वायदा नही किया जहां तक इसके काम पूरे होने का सवाल है 31 मार्च से पहले पहले यह काम पूरा हो जाएगा। पंचायत से जमीन ली है और इस वक्त सिविल वर्क जितने होते है, वे कम्पलीट हो चुके है। इलैक्ट्रिक वर्कस 30 परसैट कम्पलीट हो चुके है। 30 के0वी0 लिक लाइन 70 परसैट कम्पलीट हो चुकी है और कार्य प्रौग्रेस पर है।

Repair of Bridges

***355. Shri Nafe Singh Rathee:** Will the Chief Minster be plaese to state in the time by which the damaged bridges of Asoda Todran and Asoda Siwan (District Rohtak) on Western Jua are likely to be repaired/re- constructed?

Chief Minster (Shri Basni Lal): Temporary bridges at RD 33000 and RD 32700 of West Jau Drain were constructed by the villagers of Asoda Todran and Asoda Siwan at their own const and converience. These are presently in

damaged condition. Uptil now, the depatment has no programme to reconstruct these bridges.

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, यह लोगो की एक बडी भारी समस्या है क्याकि लोगो के आने जाने का रास्ता नही है। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री से जानना चाहूगा कि क्या हरियाणा मे ग्रामीण द्वारा बनाए गए किसी पुलि का सरकार ने पुननिर्माण किया है, अगर किया है तेा बहादुगढ क्षेत्र के इस पुल का निर्माण कब तक कर दिया जाएगा? इसके अलावा गांव लाहौरीहेडी और दसोधहेडी नहर का पुल टूटा पडा है जो कि लगभग दो साल से टूटा पडा है और कई ऐक्सीडैंटस भी हो चुके है तो उसको निर्माण सरकार कब तक करा देगी?

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जहां तक ग्रामीणो द्वारा बनाए गए पुलो की मरम्मत का सवाल है यह पुल 20 साल पहले गांव वालो ने अपनी सहूलियत के लिए बनाए थे। एक पुल से दूसरे पुल के बीच मे एक किलोमीटर का फासला रखना जरूरी होता है लेकिन इनमे वह फासला भी नही रखा गया। वे बिल्कुल नायायज पुल है ऐसा ही एक पुल पिछले साल बोहरस्थल के पास तोड भी दिया गया था। वह पुल तो ग्रामीणो ने अपनी सहूलियत के लिए बनाए है अगर उनको कोई दिक्कत है तो वे अपने आप ही इनकी मुरम्मत करे।

Construction of P.W.D Rest House, Beri

376. Dr. Virender Pal Ahlawat: Will the Minster for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any prposal under conisderation of the Government to construct a P.W.D Rest House, Beri?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): नही, श्रीमान जी।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, झज्जर जिला अभी अभी बना है जिसके अन्दर बेरी एक तहसील है। आज तक किसी भी महकमे न बेरी तहसील के अन्दर विक्षाम गृह बनाने का प्रयास नही किया है फिर भी क्या मंत्री जी द्वारा तहसील बेरी मे विश्राम गृह बनाने की प्रोपजल न लाना वहां के लोगो के साथ बेइसाफी नही है। (विघ्न)

ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्माः नये जिले बनने का धन्यवाद तो कर दो।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः सारे झज्जर जिले के लोग इस बात से खिन्न है वे झज्जर को जिला बनाने ही नही चाहते थे किसी ने यह लिखकर नही दिया कि झज्जर को जिला बनाया जाये।

मुख्यमंत्री श्री बंसी लालः पिछले एक साल का अखबार पढकर देखो फिर पता चलेगा कि जिला बनाने की मांग की गई है या नही।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः हमे तो गावो मे लोग घुसने ही नही देते। वे कहते है यह क्या कर दिया जिला क्यो बन दिया। यह सब राजनीतिक कारणो से हुआ है।

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, जिले का उदघाटन करने तो आप खुद गये थे आप ने देखा कि झज्जर के लोगो ने कितने उत्साहपूर्वक वहा स्वागत किया और खुद वीरेन्द्र पाल जी कहते थे और धन्यवाद देते थे कि चलो बेरी को भी इससे महत्व मिलेगा आज ये जो भी कहे।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः बेरी का तो पहले से ही महत्व है यह किसी का दिया हुआ नही है।

श्री अध्यक्षः यह क्वै चन आवर है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हम झज्जर के लोगो को बता देगे कि वीरेन्द्र पाल अहलावत जी ने हाउस के अन्दर यह सलाह दी है कि यह जिला गलत बना है इस बारे किसी ने मांग की ही नही।(Interruptions)

Mr. Speaker: This matter is not be discussed at this statge.

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः इस बात का आप सर्वे कराकर देख ले।

श्री धर्मबीर सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, सदन की जानकारी के अनुसार आज तक कभ कोई ऐसा मौका नही हुआ कि श्री वीरेन्द्र कभी बेरी मे रूके हो। इसके आसपास लगते झज्जर और छुछकवास मे जो कि बेंरी से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अच्छे विश्राम गृह बने हुये है। अगर कभी ऐसा मौका आये तो ये वहा पर विश्राम कर सकते है आज ये किसी तथ्य के अनुसार बेरी मे रैस्ट हाउस बनाने की बात कर रहे है।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः ताकि बेरी मे आपको ठहरने की सुविधा मिल जाये इसलिए मै बैरी मै रैस्ट हाउस बनाने की बात कर रहा हू।

श्री धर्मबीर सिह यादवः बेरी मे 12 किलोमीटर दूरी पर झज्जर से अच्छा रैस्ट हाउस है वहा जाकर भी तो ठहर सकते है।

श्री अध्यक्षः क्वै चन आवर इज ओवर।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Water Supply Shcheme

433. Shri Ramphal Kudu: Will the Minster for Agriculature be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government of construct a spearate water supply for Pillukhera Mandi; if so, the time by which the proposal is likely to be materialised?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): पिल्लुखेडा मे नई निर्माणधीन मंडी के ले आऊट प्लान मे जल आपूर्ति के प्रावधान की व्यवस्था है। लेकिन इस बारे मे भू जल पीने योग्य न होने के कारण विस्तृत विवरण अभी तैयार किया जाना भोश है। फिलहाल नहरी पानी पर आधारित पिल्लुखेडा भाहर जल आपूर्ति योजना से दो कनैक ान लिए हुए है।

Desilting of Jasrana Minor

354. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the desilting of jasrana Minor Sonipat formk Rithal head to Gaurer will be completed?

मुख्यमंत्री श्री बसी लाल: जसराना माइनर सोनीपत का रिठाल हैड से गौरड तक गाद निकालने का कार्य पूर्ण कर दिया गया है।

Hike in Electrictiy Traiff

327. Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Chief Minister be pleased whether any hike in power tariff, surcharge, line charges and meter charges for the supply of electrictiy to the Agriculture, Industrial and domestic sector in the State has been made by H.S.E.F during the year 1996-97,if so, the detials thereof?

Chief Minister (Shri Basni Lal) A statement is laid on the table of the House.

Statement

Tariff

Power tariff for various categories of sonsumers was revised on 1-7-1996 as follows:-

Category	Pre Revised rates			Revised Traiff after Merging fuel surcharge @ 10 Paise/Unit
	Energy chages Paise/Unit	Fuel surcharge Paise/Unit	Total Paise/Unit	
Domestic Supply				
Ist 40 Units	90	10	100	150
Above 40 Units	200	10	210	225
L.T Industrial (Upto 70 Km)	240	10	250	300
HT Industrial (Above 70 kw)				
(I) Normal Tariff	240	10	250	300
(II) Tariff for Lift Irrigation	240	10	250	140
Agricultural Supply				
Metered	50	Nil	50	No change except withdrwal of conscessionsl

				tariff of 30 Paise/Unit
Unmetered	Rs. 65 Per BHP	Nil	Rs. 65 Per BHP	No change except withdrwal of conscessionsl tariff of 43 Paise/Unit
HSMITC	100	Nil	100	140

Foot Note

The concessional tariff for agricultural tube wells applicable to the tehsils of Mohindergarh, Dadri, Bhiwani, Lohary, Sub tehsil Nahar of Tehsil Jhajjar, blocks of Ateli, Jatusana, Khol, Bawal and Rewari of Distirct Mohindergarh and Pinjore of District Ambala due to deep and scanty water was withdrawn on 21-8-1996 in view of overall improvemnet of water table. Presently, normal agriucultrual tariff is being chagred in these areas.

Surcharge

At the time of revision in tariff w.e.f. 1-7-1996, the notified fuel surchage applicable at the rate of 10 Paise per unit was mcrged in the energy chages, Due to escalation in the deliverd cost of coal by the Government of India, the fuel surcharge was revised to 18 paise per unit from the date of Government of Inidia notification which was issued on 1-4-1996. Since out of 18 paise per unit fuel surcharge, 10 paise per unit had already bee merged in the energy charges, the balance 8 paise per unit was applicable w.e.f 1-7-1996. Again

due to further escalation in the delivered cost of coal and oil by the Government of India, the fuel surcharge was further revised cumulatively is follows:-

2-7-1996	13 paise per unit
1-8-1996	19 paise per unit
20-10-1996	22 paise per unit
1-4-1997	35 paise per unit

This surchage is not applicable on electrictiy supplied to agricultural tubewells.

Line Charges

Prior to November, 1993, the Board used to levy monthly service line charges form the consumers, where the service line was laid down at the cost of Board. Subsequently form November, 25, 1993 the Board introducted the concept of one time seevice connection charges for industrial and buld supply consumers. This order was applicable in respect of only new consumers and where extension of load was sught for. These charges were revised on 14-11-1996 as follows:-

Sr.	Category of consumer	Pre-revised rates	Revised rates	Remarks
1.	H.T industrial consumers	Rs. 55/- per KVA fo the contract	Rs. 750/- per KVA fo the contract	Applicable upto 300 metres Additional cost @ Rs. 100 Per metre

		demand	demand	chargeable against Rs. 70/- applicable earlier for length beyond 300 metres. In case the supply is one voltage highr than 11 KV, the service connection charges shall be highest of the following (a) Actual Cost (b) Rs. 750 per KVA (c) Rs. 4.5 lace (Minimum)
2.	For Loads up to 70KW (Both for buld and lt Industrial Supply)	Rs. 350 /- per KVA	Rs. 500 /- per KVA	Applicable upto 300 metres Additional cost @ Rs. 70 Per metre chargeable against Rs. 50/- applicable earlier for

				length beyond 300 metres.

There are no fixed service connection charged for agriculture and domestic categories. However, the domestic consumers are governed by the old policy and monthly service line chages are being charged wherver applicable.

Meter Charges

The following charges are payable by the consumers:

(i) Meter Service Charges

In case, the meter is provided by the Board, the consumers are chaged monthly meter serivce charges (rentals). However, no revision was made in respect of these charges during the year for any category fo consumers.

(ii) Meter Security

As a security deposit by the consumer towards the meter installed by the Board, the meter security chages are levied. These were revised w.e.f 25-10-1996 to meet the increased cost of metres. The revised rates are as follows:-

Sr. No.	**Meter type/rating**	**Revised Security Rates**
1.	Single	Rs. 600/-
2.	Three phase	Rs. 1000/-

3.	L.T Three phase CT operated meter with C.Ts	Rs. 7500/-
4.	H.T meter without Trivector meter with C.Ts/P.T	Rs. 25000/-
5.	L.T Conventional Trivector meter with C.Ts	Rs. 25000/-
6.	H.T Conventional Trivector meter with C.Ts/P.T	Rs. 35000/-
7.	H.T Electronic Trivector meter with C.Ts/P.T	Rs. 40000/-

The Board is paying an annual interest of 10% on the meter security deposists exceeding Rs. 100/-

सचिव द्वारा

MR. Sepaker: Now the Secretary will make some announcenmet.

Secretary: I beg to lay on the Table of the House a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assemble during is Sesssion held in March, 1997 and have since been assented to by the Governor:-

1.	The Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 1997
2.	The Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1997
3.	The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1997

4.	The Punjab Excise (Amendment) Bill, 1997
5.	The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 1997
6.	The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1997
7.	The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1997
8.	The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1997
9.	The Haryana Legilative Assemble (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1997

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

खेल राज्य मंत्री द्वारा

खेल राज्य मंत्री द्वारा (श्री राम सरूप रामा): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री भागी राम जी ने जो मेरे ऊपर यह आरोप लगाया हे कि मेरे गनमैन का चालान हुआ है क्योकि मेरा गनमैन दारू के न ो मे धुत था तथा रामा भी भाराब के न ो मे धुत था। लेकिन मै इस आरोप का खण्डन करते हुए माननीय सदस्य व सदन को बताना चाहता हू कि यह जो बालेसर की बात कर रहे है कि मेरे साथ गनमैन था, उसने दारू पी रखी थी। उस गनमैन ने अगर जन्म से भी दारू पी हो तो मै अभी त्याग पत्र दे दूंगा। (थम्पिंग) अगर यह बात की थाने या जनता के बीच मे साबित हो जाये तो य तो मै अस्तीफा दे दूंगा या चौधरी भागी राम जी अस्तीफा दे दे। (विघ्न) दूसरी बात इन्होने यह कही है कि

राम सरूप रामा भी भाराब के न ो मे धुत था। मै कहता हू कि जब मेरा गनमैन पकडा गया तो सरकार की जो कानूनी कार्यवाई की पालना जिस थानेदार ने नही कही, उसको जेल मे भेज देना चाहिए। (विघ्न) इसके अतिरिक्त यह भी पता लगाया जाए कि क्या वह समता पार्टी टिकट का कटटर समर्थक था या कोई व्यक्ति था, क्योकि उस समय बिल्लु जी भी थे और वहा पार्टी टिकट का दावेदार मेरी क यप बिरादरी के नाते वहां गया था। लेकिन मेरा उससे कोई वास्ता नही है। (ाोर) लेकिन मै फिर यह बात जोर देकर कहता हू कि अगर मेरे गनमैन ने दारू पी रखी थी, तो इससे बडी बात और क्या हो सकती है कि या तो मै अस्तीफा दे दूंगा या माननीय सदस्य अस्तीफा दे दे। अगर जन्म से भी उसके द्वारा दारू पीने की बात साबित हो जाए। (थम्पिंग)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, इन भाईयो को यह दारूबंदी हज्म नही हो रही है। पिछली बार चौधरी भजन लाल जी ने भी इस अगस्त हाउस मे एक स्अेटमैट दी थी कि भिवानी जिले मे भाराब पीने से 12 आदमी मर गए। एक घंटे के तुरत बाद हमने उनसे मृतको के नाम वं गांव का नाम पूछा तो उन्होने कहा कि वह पर्ची जिस पर उन्होने नाम लिखे हुए थे, उनके दिल्ली वाले कर्ते की जेब मे रह गई है। उसके बाद स्पीकर साहब, दो दिन के लिए सदन की छुटटी थी। उस समय चौधरी वीरेन्द्र सिह जी तथा अन्य माननीय सदस्य भी इस बात के च मदीद गवाह थे। चौधरी भजन लाल जी ने हमने फिर पूछा कि

आप तो मुख्यमंत्री रहे है तथा हम आपकी बात को बडी गंभीरता सै लेते है तो उन्होने कहा कि वह सूचना तो ऐसी ही मिली थी और उन्होने माफी मांगकर अपनी जान छुडाई। आज भी उसी प्रकार से चौधरी भागी राम जी ने बडी आसानी से आरोप लगाया है । श्री रामसरूप रामा जी ने तो यहा तक कह दिया है कि अगर उस गनमैन ने जन्म से भी भाराब पी हो तो वे अस्तीफा दे देगे। तो क्यो नही ये उनका चेलेज स्वीकार करते है?

स्थान प्रस्ताव की सूचना/बैठक का सिगन

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, इस सदन मे हमारे साथियो ने एक एडजनमैट मो ान दी है तथा यह मो ान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामले के बारे मे हमारी तरफ से मूव हुई है। हरियाणा सरकार ने हरियाणा के सविधान को वाएलेट किया है। इस हाउस के सै ान मे होते हुए दो आर्डीनैंस जारी किए गए। यह बहुत सीरीयस मैटर है। इससे डेमोक्रेसी की तमाम परम्परओ पर इफैक्ट होता है और सभी लोगो पर इसका असर पडता है यह इस हाउस के मैम्बरान के हको पर एक छापा हैं यह इस हाउस का कंटम्पट है इसलिए हाउस का बाकी बिजनैस रोक करके हमने जो एडजर्नमैट मो ान दिया है उस पर बहस की जाए।

Mr. Speaker: An adjourment motion form your side was recieved in the office at 1-10 P.M and the same has been rejected as the ordinances have been withdrawn. (Noise & Interruptions)

श्री राम पाला माजराः स्पीकर साहब, यह बहुत ही सीरीयस मामला है। आप हमारी बात तो सुने।

Shri Khurshid Ahmed: Mr. Speaker Sir-----(Noise & Interruptions)

Mr. Speaker: Ch. Khurshid Ahmed Ji, please take your seat.

(Noise & Interruptions) Nothing to be recorded. (Noise & Interruptions)

श्री राम पाल माजराः .....

(At this stage, the members of the Sampat Party Present in the House came to the well of the House and started shouting slogan. They also staged a dharna there.)

Mr. Speaker: Please take your seats. (Noise & Interruptions)

मै सभी माननीय सदस्यो से निवेदन करना चाहता हू कि आप हाउस को नियमानुसार आराम से चलने दे। माननीय सदस्य माजरा साहब ने इस सै ान के बारे मे एक बात कही मै उनको बताना चाहूगा कि इस तरह का सै ान यह पहली बार नही बुलाया है इस तरह का यह सातवी बार सै ान बुलाया गया है। यह रिकार्ड की बात है। सबसे पहली बार इस तरह का सै ान 1967 मे बुलाया गया था। उस समय राव बीरेन्द्र सिंह मुख्यमंत्री हुआ करते थे। इसी तरह का सै ान 1978 मे बुलाया गया था

उस समय चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह रिकार्ड की बात है। (ाोर)

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, मेरा अपासे निवेदन है कि हाउस को प्रोरोग किए बगैर ही दो आर्डीनैस जारी कर दिए गए और सरकार ने गवर्नर महोदय को अधेरे मे रखा। यह मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रिविलेज मो ान बनता है इसलिए मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रिविलेज मो ान लाया जाए। (ाोर)

श्री कृश्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कुछ भी रिकार्ड न किया जाए।

श्री कृश्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: हाउस 15 मिनट के लिए एडर्जन किया जाता है।

(The Sabha then adjorned and re-assembled at 4-12 P.M)

Mr. Speaker: Now, I report the time table fixed by the Business Advisory Committee in regard to various businesses.

The committee met at 10.00 A.M on Monday, the 21st July, 1997 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in session, shall meet

on Monday at 2.00 P.M and adjoun at 6.30 P.M and on Tuesday at 9.30 A.M and adjourn at 1.30 P.M without question being put.

The Committee recommends that on Wednesday, the 23rd July, 1997 the Assembly Shall meet at. 9.30 A.M and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Committee, after some discussion, further recommeds that the Business form the 21st July, 1997 to 23rd July, 1997 be transacted by the Sabha as under

Monday, the 21st July, 1997 (2.00 P.M)	1. Obituary references
	2. Question Hour
	3. Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee
	4. Papers to be laid on the Table of the House.
	5. Presentaiton of Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1992-93
	6. Legislative Business.
Tuesday, the 22st July, 1997 (9-30	1. Question Hour

A.M)	
	2. Discussion and voting on the Excess Demands over Grnats and Appropriations for the year 1993-93
	3. Official Resolution
	4. Legislative Business, if any.
Wednesday, the 23st July, 1997 (9-30 A.M)	1. Question Hour
	2. Motion under Rule 15 regarding non stop sitting.
	3. Motion undr Rule 16 regarding adjournment of the Sabha Sine Die.
	4. The Haryana Appropriation Bill in respect of Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1992-93
	5. Legislatve Business
	6. Any other Business."

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

Agriculture Minister Shri Karan Singh Dalal: Sir, I beg to move—

That the House agress with the recommeddations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion Moved-

That the House agress with the recommeddations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

Shri Khurshid Ahmed: Sir, I want to speak on this motion.

Mr. Speaker: Yes, you may speak.

श्री खु र्शिद अहमद नूहः सर, हाउस इन हालात मे जैसे कन्वीय हुआ है बीच मे जो अन कास्टीच्यू ानल चीजे हरियाणा मे हुई है और सविधान को वायलेट करने की बाद दोबारा से इस हाउस को बुलाना ही इल्लीगल है। यह इल्लीगलीटी है जो कि रैक्टीफाई नही हो सकती है। आज हमारे पास आपका यह नोट आया है कि हमने यह आर्डीनैसिंज विदड्रा कर लिए है। जिस दिन यह आर्डीनैसिज जारी हुए उस दिन से ही यह सरकार कास्टीच्यू ान की वाइले ान मे चलती रही है। इस सरकार ने आज तक जो काम किया है वह टोटली इल्लीगल काम किया है। जो कुछ भी आर्डीनैसिज के तहत स्टैप लिए गए है वे सारे स्टैप ही इल्लीगल है। एक सरकार जो कास्टीच्यू ान को वायलेट करे,

कास्टीच्यू ान की धज्जिया उडाए उस सरकार का दूसरा सै ान बुलाने का हक नही रह जाता है। जब तक उस मामले का कोई फेसला नही हो जाए। आज उसको रैक्टीफाई करने के लिए हमने 10,20 औा 30 दिन बाद उन आर्डीनैसिज को विदड्रा कर लिया है। यह सरकार दो महीने तक जो इल्लीगलीटी करती रही है। उस सरकार का क्या हश्र होगा । क्या यह सरकार कास्टीच्यू ान के मुताबिक नही है, अगर है तो इस सरकार को यह सै ान बुलाने का कोई हक नही है। इस इल्लीगलीटी को करने का और इस हाउस को इग्नौर करके गल्ती को कन्डेन करने का आज इस सरकार के पास कोई इस्टमैट ओर कोई मीन्ज नही है। This is a contitutional crisis in which this Government has to face dismissal and nothing else or we will have to approach the Governor for any via media. This session is illegal. This Report of the Committee is only ons sided affair. None of the Members of the other parties was present in the meeting.

Mr. Speaker: Mr, Birender Singh was very much present there.

Shri Khurshid Ahmed: But nothing was happened in the meeting (Noise)

Mr. Speaker: Your Hon'ble member, Ch. Birender Singh was very much presnent in the meeting.

Shri Khurshid Ahmed: This is contempt of the House. This is breach of privilege of this House and if we endorse it and if you do not agree with it then there is no other way for us except to take up the matter at some

appropriate place wherever it is possible. We will have to report it to the Presdent or to any body whosever is competent to take action against this Govenment. This Govenment has functioned in violation of the Constitution. If we go on tolerating such sport short of things is can result into anything. It is not only a small matter that people start playing with the Constituation and a day will come when they will do away with democracy totally. That is the trend which is taking place in the State, and if it is being tolerated by the House this cannot be permitted. We have to take steps and we seek your cooperation that unless and until this matter is resolved nothing else should be transacted in this House except deciding this thing whether this Governmnet is legal or otherwise after committing any illegality or viorlations of the Constituation. if it is a minor illegality then we can endorse it, but it is a serious matter and the House has no remedy to endorse a violation of the Constitution of Inida by the Government of Haryana. For this whosoever is responsible he will have to be accountable for this. I propose that we adjorn this House for the time being and re-summon it according to the rules after resolving this dispure of the illegal activity which has been going on in viloation of the constitution for weeks in the State. That is all, Mr. Speaker.

Shri Bansi Lal: Ordinaces have been withdrwan with effect form the date they were issued being void ab initio.

(At this stage, many members started speaking without permissions of the Speaker)

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ भी बोल रहे है, उसको रिकार्ड न किया जाए। सभी सदस्यगण अपनी अपनी सीटो पर जाकर बैठ जांए।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी अपनी सीटो पर बैठिए। (ाोर एवम व्यवधान)

(इस समय समता पार्टी के उपस्थित सभी सदस्यो हाउस की बैल मे आकर नारे लगाने लगे)(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृश्णलाल जी, मै आपको वार्न करता हू। आप अपनी सीट लीजिए। (ाोर एवम व्यवधान) आप सभी अपनी अपनी सीटो पर बैठिए।(ाोर एवम व्यवधान) भागी राम जी, आप इनको क्या उकास रहै है।(ाोर एवम व्यवधान) कृश्णलाल जी, यह मेरी आपको लास्ट वार्निग है। आप अपनी अपनी सीटो पर बैठिए (ाोर एवम व्यवधान) आप कृपया बैठ जाइए। (ाोर एवम व्यवधान)

मेरी आप लोगो से विनती है कि आप अपनी अपनी सीटो पर बैठ जाइए। (ाोर एवम व्यवधान) आपने जो कुछ भी कहना है अपनी सीट पर बैठकर कहिए। मै आपसे फिर से रिक्वैस्ट करता हू। कि आप अपनी सीटो पर बैठ जांए।

(इस समय विपक्ष के सभी सदस्य अपनी अपनी सीटो पर बैठ गए)

श्री अध्यक्षः धन्यवाद। रामपाल जी, आप बोले।

श्री रामपाल माजरा (पाई): अध्यक्ष महोदय, दो आर्डिनैसिज, एक आदमी ने जारी कर दिए, भाायद वे मुख्यमंत्री ही है। इन्होने इस सदन के सभी सदस्यो के हक पर डाकाा डाला है इतना ही नही यह बैठक भी अपने आप मे एक साजि ा है। जान बूझकर विरोधी पक्ष के नेता श्री औमप्रका ा चौटाला जी, चौधरी धीर पाल सिंह जी, श्री रमे ा खटक व काग्रेस पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल जी को इस सदन मे आने दिया जाए इसलिए इस प्रकार की साजि ा की गई है। हरियाणा प्रदे ा की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधी जो यहा आकर जनता की आवाज बुलद करते है उस बात से यह प्र ान महरूम रह गया है। (ाोर एवम व्यवधान) यह जनतंत्र है लोकतत्र है। असली ताकत तो जनता की है अब्राहम लिकन ने कहा था the Govt. is of the peple, for the people and by the people. लेकिन हरियाणा प्रदे ा मे आज के सन्दर्भ मे यह डैफीने ान बदलती नजर आती है। जिस तरह से चौधरी बंसी लाल पहले ताना ााह के रूप मे जाने जाते थे यह इस बात से प्रकट हो गया है कि Government is off the people to buy the people and far the people आज हरियाणा प्रदे ा का तंत्र इस प्रकार का बन गया है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी को बताना चाहता हू कि उन्होने कल

यात्री निवास मे हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के मन्त्रियो और विधायको की मीटिग की। वे अपनी बात को वही पर कह लेते तो फिर इस सदन को बुलाने की क्या आव यकता थी। सदन मे तो विपक्ष को सुनना ही पडता है। परन्तु यह सुनना नही चाहते है। जिसकी वजह से गवर्नर महोदय ने दो आर्डीनैसिज को वापस लेना पडा और इस प्रकार सरकार पर असवैधानिक काम करने की मोहर लगी यहां हर काम असवैधानिक हो रहे है और आप बर्दा ात करते जा रहे है आपको इस बारे एक ान लेना चाहिए। (विघ्न) यह इस प्रकार का सै ान बुलाया गया है। जिसमे लोकतन्त्र का हनन हुआ है और सभी मैम्बर साहेबान के अधिकारो को ठेस पहुचती है। यह हरियाणा प्रदे ा की जनता की आवाज सुनने वाला नही है। यह सदन प्रदे ा की जनता की समस्याओ को हल करने वाला और विकास करने वाला नही है। यह केवल गठबधन की मीटिग है और मै तो यह कहता हू कि यह मीटिग तो ये यात्री निवास मे ही बुला लेतें यह सदन बुलाने की क्या जरूरत थी।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप भी इस गठबन्धन मे भाामिल हो जाये। (विघ्न) मै पार्लियामेंटरी अफेयर मिनिस्टर से अनुरोध करूगा कि वे बैठ जाये।(विघ्न) Mr. Majra, I request you to use parliamentary language. You cannot speak whatever you like.

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने कर्मचारियो के साथ, व्यापरियो के साथ, किसानो के

साथ और मजदूरो के साथ जो जुल्म और ज्यादतिया की है उनको ठीक ढग से उजागर करने के लिए विरोधी पक्ष की बहुत जरूरत थी परन्तु वे सदन मे नही आये। क्योकि वे कर्मचारियो, व्यपारियो, किसानो और उन मजदूरो का दर्द ये सुन नही सकते क्योकि जुल्म और ज्यादतियां बढती जा रही है। ताना ाही बढती जा रही है और लोकतन्त्र का गला घोटा जा रहा है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, व्यापारी लोग चौटाला साहब की कहा सुनते है गांव मे कुछ आदमी लाकर बैठा दिए और अखबारो मे दे दिया कि व्यापारी आ गये। अब ये व्यापारी के नाम से चमकना चाहते है। (विघ्न)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, जिस तरह भिवानी मे और चरखीदादरी मे दो व्यापारियो का कत्ल कर दिया गयां वे व्यापारियो के हमदर्द कहा से हो गये। आज तक किसी को गिरफतार नही किया गया है और करनाल मे एक इण्डस्ट्रियलिस्ट को मार दिया गया ये व्यापारियो के हमदर्द कहा से हो सकते है चौटाला साहब व्यापारियो के , कर्मचारियेा के नेता है और दलाल साहब कान खोलकर सुन लो क्योकि सच्चाई कहते ही आपको पतगे लगते है अब किसी चीज को छिपाने की कोि ा ा मत कीजिए क्योकि हरियाणा मे आज हर चीज तहस नहस हो चुकी है और आप जैसे वर्करो की वजह से आपके नेता को नुकसान हो जायेगा। (विघ्न)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, खु ीर्द अहमद जी बहुत पुराने पार्लियामैटेरियन है और इस अगस्ट हाउस मे कई जिम्मेवारियो के ओहदे पर वे रहे है और मैम्बर पार्लियामैट भी रहे है उन्होने एक मुददा उठाया कि इस अगस्ट हाउस को बुलाया जाना असवैधानिक है। स्पीकर साहब, आपने सही फरमाया कि यह ऐसा सातवा सत्र है जो इस तरह से प्रोरोग होने से पहले बुलाया गया है यह अगस्ट हाउस आने आप मे सार्वभौम है और अपने किए हुए फेलसे को बदल सकता है और सत्र इस तरह से बुलाया जा सकता है स्पीकर साहब, जिस आर्डिनैसिंज की बात चौधरी खु ीर्द अहमद जी कर रहे, उस बारे मे मै कहना चाहता हू कि सरकार या गवर्नर साहब कोई आर्डिनैसिंज जारी करते है तो उसको वापिस भी ले सकते है आज से बहुत पहले जिस तिथि को वह आर्डिनैसिंज जारी हुए थे उसको उसी तिथि से समाप्त कर दिया गया, तथा अब उस का कोई इफैक्ट नही है। इसके अतिरिक्त जिस बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिग की बात चौधरी खु ीर्द अहमद जी ने कही, उसी मीटिग चौधरी वीरेन्द्र ंसिह जी भी उपस्थित थे। बहुत हंसी खु ी से वह मीटिग पूर्ण हुई। उस मे रसगुल्ले भी खाए गए ।(ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, आधे घटे से भी ज्यादा समय तक वह मीटिंग आपकी अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। उस मीटिग मे माननीय मुख्यमंत्री जी थे चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी थे, उपाध्यक्ष महोदय थे, संसदीय कार्य मंत्री श्री कर्ण सिंह दलाल जी थे तथा मै उपस्थित था। उस मीटिग मे सारे मुद्दो पर चौधरीर बीरेन्द्र

सिंह जी ने अपनी पार्टी की तरफ से काफी डिस्क ान की। उस मे मुख्यंमंत्री जी ने बीरेन्द्र सिंह जी से कहा कि हमारी 11.00 बजे कैबिनेट की मीटिग है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी नके हा कि उनके मास्टर श्री भुपिन्द्र सिंह हुडडा जी आए हुए है तथा उनकी ही अध्यक्षता मे उनकी भी कोई मीटिग होनी थे। अत मै चौधरी खु ीद अहमद जी को सच्चाई बताना चाहता हू कि मुख्यमंत्री जी ने कोई बहिश्कार नही यिका। वह मीटिग बहुत अच्छी तरह से सदभावपूर्वक सम्पन्न हुई ।चौधरी खु ीद अहमद जी तो इस प्रकार की कच्ची व रल्ली छलली बातो पर वि वास नही करते थे। पता नही उनको इस प्रकार की खबरे कहा से आने लगी है। ।(ाोर एवम व्यवधान) दूसरी बात यह है कि जो बात चौधरी खु ीद अहमद जी ने कही वह इनकी समझ मे तो नही आ पाई है। अगर समता पार्टी के माननीय विधायक श्री बलबीर जी पहलवान श्री खु ीद अहमद जी द्वारा आरम्भ से लेकर अत तक अग्रेजी के की गई तकरीर का एक वाक्य भी बता दे तो मै मान जाऊगां। (विघ्न) वे जो मुद्दे उठाए गए है उन के संबध मे ही मै कुछ बात कर रहा हू। श्री रामपाल माजरा भी व्यापारियों व चौधरी बंसी लाल की ताना ााह सरकार की बात कर रहे थे। ।(ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस अगस्ट हाउस का रिकार्ड है कि आपकी रहनुमाई मे यह सदन अच्छी तरह से चला है पिछली बार चौधरी औमप्रका ा चौटाला जी ने सदन मे एक एडजर्नमैट मो ान रखा था था सदन के नेता ने कहा कि आप चौधरी ओमप्रका ा चौटाला पर ही छोड दे इस मो ान पर जिस तरह से

जितने समय तक वे बहस कराना चाहे, करा सकते है तथा उस पर पूरी बहस कराई गई तथा पूरा समय दिया गया। लेकिन वे केवल भाराबंदी को लेकर के ही निराधार बाते कह रहे है। मैने पहले भी निवेदन किया था कि इनको यह भाराबबंदी हज्म नही हो रही है। सारी दुनिया इस बात की तारीफ कर रही है (ाोर) स्पीकर साहब, इस सै ान का बुलाया गया जाना बहुत ही सवैधानिक है। इसमे कही पर भी कोई असवैधानिक बात नही है। पार्लियामैटरी डेमोक्रेसी मे भी Government is run through deliberations. यह सदन उसका सबसे बडा प्रजातात्रिक स्वरूप है। चौधरी खु ार्शिद अहमद जी का यह खदसा ठीक नही है। इस सदन को बिल्कुल ही सवैधानिक और प्रजातात्रिक प्रणाली के अनुरूप ही बुलाया गया है। (ाोर) मुझे भी अपनी बात पूरी करने दीजिए। इस प्रकार से हमने इनको बीच मे इट्रप्ट नही किया। हमने तो इनकी बातो को बडी भाान्ति से सुना है। आप मुझे अपनी बात पूरी करने दे। हमने आपकी बातो को ध्यान से सुना है। हमने चौधरी खु ार्शिद अहमद जी की बातो को ध्यान से सुना है। माननीय सदस्य रामपाल माजरा की बातो को ध्यान से सुना है। और चौधरी बीरेन्द्र सिंह की बातो को हम ध्यान से सुनेगे इसलिए आप मेरी बात को पूरा होने दे। आप राज्यपाल महोदय के बारे मे कह रहे थे राज्यपाल महोदय ने उन दोनो आर्डीनैसिज को विदड्रा कर लिया। स्पीकर साहब, आपने इस अगस्त हाउस को सम्मन किया है। आपकी इस बात का अधिकारी है कि आप इस अगस्त हाउस को सम्मन कर सकते है।

Mr. Speaker: Ch. Birender Singh JI, you please take your seat. Ch. Balbir Singh Will speak first. Ch. Balbir Singh, you please speak.

श्री बलबीर सिंह (मेहम): अध्यक्ष महोदय, मौजूदा ि ाक्षा मंत्री बहुत ही विद्धान है इन्होने मेरा नाम लेकर एक बात कही है मै आपके माध्यम से उस बात का इनको जवाब देना चाहूगा और जवाब लेना भी चाहूगा। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यो मे मेरा निवेदन है कि जब तक चौधरी बलबीर सिह जी बोले दूसरा माननीय सदस्य इनके बीच मे न बोले।

श्री बलबीर सिह: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहूगा कि भारत के सविधान की धज्जिया उडा कर इस सदन के चार माननीय सदस्यो लीडर आफ दि अपोजि ान चौधरी ओमप्रका ा चौटाला, काग्रेस पार्टी के लीडर श्री भजन लाल, चौधरी धीरपाल जी और रमे ा खटक को सदन से बाहर रखा गया है आज तक ऐसे किसी भी मुख्यमंत्री के समय मे नही किया गया। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लेकर इन्हेाने बात कही है इसलिए मै उसका जवाब देना चाहूगा।

Mr. Speaker: Question is-

That this House agree with the rescommedations contained in the First Report of the Business Adviosory Committee.

The motion was carred.

वाक आउट

आवाजे: स्पीकर साहब, हम इस रिपोर्ट की सिफारि ाो से सहमत नही है। इसलिए हम प्रोटैस्ट के तौर पर वाक आउट करते है।

(इस समय सदन मे उपस्थित समता पार्टी तथा इडियन ने ानल लोकदल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now a Minister will lay the papers on the Table of the House.

Agriculture Minster (Shri Karan Singh Dalal) Sir, I beg to lay on the Table of the House-

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R 11/H.L.A 20/73/S.64/97 dated the 14th March] 1997 regarding the Haryan General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64 (3) of the Haryna Gereral Sales Tax Act, 1973.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R 37/H.L.A 20/73/S.64/97 dated the 28th May, 1997 regarding the Haryan General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64 (3) of the Haryna Gereral Sales Tax Act, 1973.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R 39/H.L.A 20/73/S.64/97 dated the 28th May,] 1997 regarding the Haryan General Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64 (3) of the Haryna Gereral Sales Tax Act, 1973.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R 40/H.L.A 20/73/S.64/97 dated the 3rd June, 1997 regarding the Haryan General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64 (3) of the Haryna Gereral Sales Tax Act, 1973.

The Gereral Admisistration Department General Services Notification No. G.S.R 22/Const. At 320/Amd. (1) 97, dated the 11th April 1997 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) First Amendement Regulations, 1997 as required under Article 320 (5) of the constitution of India.

The Gereral Admisistration Department General Services Notification No. G.S.R 3/70/S.8 and 9/97 dated the 15 May 1997 Minister Travelling Allowance Amendment Rules, 1997 as required under Section 9(2) of the Haryna Slaaries and Allowances of Minister Act, 1973.

The Annual Report of Hayana State Board for the Preventions & Controal of Water Pollution for the year 1991-92as required under Section 39(2) of the water (Prevetnion & Control of Pollution) Act, 1974.

The 20the Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Deveolopment Corporation Limited for the

year 1993-94 as required under Section 619-3 of the Companies Act, 1956.

The 21the Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Deveolopment Corporation Limited for the year 1994-95 as required under Section 619-3 of the Companies Act, 1956.

The 22the Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Deveolopment Corporation Limited for the year 1995-96 as required under Section 619-3 of the Companies Act, 1956.

The 29the Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Deveolopment Corporation Limited for the year 1995-96 as required under Section 619-3 of the Companies Act, 1956.

The Annual Financial Statement of the Haryan State Electictiy Board for the year 1997-98 and revised Estimates for the year 1996-97 as required under Section 61 (3) of the Electricity Supply Act, 1948.

The 29th Annual Statment of Accounts of the Harynana State Electricty Board for the Year 1995-96 as required under Section 69(5) (a) of the Electrictiy Supply Act, 1948.

वर्श 1992–93 की एक्सैस डिमाडज औवर ग्राटस एंड एप्रोप्रिएं ाज प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will present the Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1992-93.

Finacne Minister (Shri Charan Dass): Sir, I beg to present the Excess Demands over Grnats and Appropriation for the year 1992-93.

(I) दि हरियाणा एंड पजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज हरियाणा अमैडमैट बिल, 1967

Mr. Speaker: Now, the Agriculture Minister will introduce the Haryana and Punjab Agriultural University (Haryana Amendment) Bill, 1997 and also move the motion for its consideration.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to introduce the Haryana and Punjab Agriucltural Universitites Haryana Amendment) Bill, 1997 I also beg move-

That the Haryana and Punjab Agriucltural Universitites Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motin moved.

That the Haryana and Punjab Agriucltural Universitites Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana and Punjab Agriucltural Universitites Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by cluase.

That the Haryana and Punjab Agriucltural Universitites Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Encting Formula

Mr. Speaker: Question is

That the Enacting Fromula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Agriculture Minister will Move the Bill be passed

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to meve-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Quesation is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(II) दि हरियाणा पजाब एक्साइज हरियणा अमैडमैट बिल, 1997

Mr. Speaker: Now, the Agriculture Minister will introduce the Punjab Excise (Haryana Second Amendment) Bill, 1997 and also move the motion for its consideration.

Food and Supplies Minister (Shri Ganeshi Lal): Sir, I beg to introducer the Punjab Excise (Haryana Second Amendment) Bill, 1997.

स्पीकर साहब, यह बिल हम इसलिए लाए है कि जिनके पास इल्लिसिट लिक्वर की समगल्ड की हुई 36 बोतल से ज्यादा बोतले पकडी जाए तो उनकी जमानत न हो सके। पहले मैण्डैटरी प्रोसिक्यू ान मे ले कर उसको मैजिस्ट्रेट के सामने पे ा करते थे लेकिन कोर्टस मे जाकर उनकी जमानत हो जाती है। सरकार चाहती है कि ऐसे सब लोग जिनके पास 36 बोतले से ज्यादा इल्लिसिट लिक्चर पकडी जाए उनकी जमानत न हो पाए। अब यह मन् ाा है कि पहले इन लोगो को इन्टैरोगेट किया जाए ताकि इस धन्धे के पीछे जो लोग काम करते है और गवर्नमैट की पालिसी को फलाउट करते है ऐसे लोगो को पकडा जाए। इस से पहले यह देखा गया है कि जितने भी ऐसे केसिज पकडे जाते है लगभग वे जमानत पर छूट जाते है यह बिल इसलिए लाए ताकि वे लोग जमानत पर न छूट सके और पकडे जा सके। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी प्रस्ताव करता हू कि–

दि हरियाणा पजाब एक्साइज (हरियणा सैकिण्ड अमैडमैट) बिल, पर तुरन्त विचार किया जाए

Mr. Speaker: Motin moved.

That the Punjab Excise (Haryana Second Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is

That the Punjab Excise (Haryana Second Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is

That Clause3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Encting Formula

Mr. Speaker: Question is

That the Enacting Fromula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Food and Supples Minister will move that the Bill Pased.

Food and Supplies Minister (Shri Ganishi lal): Sir, I beg to meve-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Quesation is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(III) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैडमैट) बिल, 1997

Mr. Speaker: Now the Town and Country Planiing Minister will in troduct the Haryana Gereral Sales Tax (Amendment) Bill, 1997 and also move the motion for its consideration.

नहरी एवम भाहरी आयोजन मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा साधारण विक्रय कर (सं ाोधन) विधेयक, 1997 प्रस्तुत करता हू।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू–

कि हरियाणा साधारण विक्रय कर (सं ाोधन) विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved

That the Harynaa Gereral Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Harynaa Gereral Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by cluase.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Encting Formula

Mr. Speaker: Question is

That the Enacting Fromula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is

That the Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Quesation is-

That the Bill be passed

Mr. Speaker: Now, the Town & Country Planning Minister will move that the Bill be passed

भाहरी एवम नगर आयोजन मंत्री (सेंठ सिरी कि ान दास) अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हू।

कि विधयेक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Quesation is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House is adjouned till 9.30 A.M tomorrow.

16.56 hrs.

(The Sabha then adjjourned till 9.30 A.M tomorrow, the 22nd July, 1997.)